नई दिल्ली ■ बुधवार 08 अप्रैल 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 14 ■ अंक 10 ■ पृष्ठ 08

जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 बिहार में लड़कियों को पढ़ाने का रुझान बढ़ा है | 07 अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी भारतीय महिला हॉकी टीम | रश्मिका मंदाना को पहली ही हिंदी फिल्म से मिला हिट करियर 08

ईरान के परमाणु ईंधन चक्रण केंद्र पर हमला

होर्मुज न खुलने पर अमेरिका की तबाही मचाने की धमकी

तेहरान/वाशिंगटन। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच पिछले 38 दिन से जारी युद्ध के बीच ईरान ने स्वीकार किया है कि अमेरिका-इजराइल ने उसके परमाणु ईंधन चक्रण केंद्र पर हमला किया है। इस बीच अमेरिका की उस चेतावनी को लेकर ईरान में घबराहट का माहौल व्याप्त है जिसमें उसने कहा है कि अगर ईरान ने मंगलवार को तय समय सीमा पर होर्मुज जलडमरूमध्य को नहीं खोला तो तबाही मचा दी जाएगी।

ईरानी परमाणु ऊर्जा संगठन ने मध्य ईरान में स्थित इस केंद्र (येलोकेक उत्पादन सुविधा) पर हमले की निंदा की है और इसे शांतिपूर्ण परमाणु स्थलों की सुरक्षा का उल्लंघन बताया है। इस केंद्र को शाहिद रजाई नेजाद सुविधा के नाम से भी जाना जाता है। यह ईरान के यज्द प्रांत के अर्दाकान शहर में स्थित है। यह केंद्र ईरान के परमाणु कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह एक यूरेनियम उत्पादन संयंत्र है। यहां यूरेनियम अयस्क को येलो केक में बदला जाता है। इसकी वार्षिक क्षमता लगभग 60 टन यूरेनियम ऑक्साइड उत्पादन की है। इसका उद्घाटन अप्रैल 2013 में ईरान के 'राष्ट्रीय परमाणु प्रौद्योगिकी दिवस' पर किया गया था। इसका नाम शहीद दारायुश रजाई नेजाद के सम्मान में रखा गया है। वह एक ईरानी परमाणु वैज्ञानिक थे। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी परमाणु ऊर्जा संगठन ने एक्स पर कहा कि यह हमला शांतिपूर्ण परमाणु सुविधाओं की सुरक्षा का स्पष्ट उल्लंघन है। यह ईरान की रिएक्टर फ्यूल सप्लाई चेन पर सीधा हमला है। बयान में कहा गया कि ईरान की परमाणु तकनीक शांति और मानवता के स्वास्थ्य की सेवा के लिए है। देश का परमाणु अभियान भारी बम गिराने से भी नहीं रुकेगा।

हालांकि संगठन ने यह नहीं बताया कि हमला कब हुआ और इससे केंद्र को क्या नुकसान हुआ। मार्च के आखिर में भी इस केंद्र में हमले की बात कही गई थी। महत्वपूर्ण यह है कि अमेरिका-इजराइल का ईरान के खिलाफ 28 फरवरी को शुरू किया एकीकृत सैन्य अभियान दिन गुजरने के साथ-साथ डरावना होता जा रहा है। ईरान ने दुश्मन देशों और उनके सहयोगियों पर हमले शुरू कर दिए हैं। इजराइल ने मंगलवार को सवेरा होने से पहले ईरान के कई शहरों पर भीषण हमले किए हैं। इस बीच जैसे-जैसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की होर्मुज को खोलने की समय सीमा नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे मध्य पूर्व में भय का वातावरण घर कर रहा है।

ईरान कह चुका है कि उसे ट्रंप की चेतावनी की परवाह नहीं। अगर उसके पुलों और बिजली संयंत्रों को ट्रंप ने निशाना बनाया तो वह भी वैसा ही जवाब देगा। द टाइम्स ऑफ इजराइल, सीबीएस न्यूज और अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने मंगलवार को स्थानीय समयानुसार तड़के बताया कि उसने राजधानी तेहरान और ईरान के अन्य हिस्सों में बड़े पैमाने पर हमले किए हैं। इससे कुछ घंटे पहले इजराइल की सेना ने अपने लक्ष्यों की सूची जारी की।

इनमें इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के कई ठिकाने, मिसाइल साइटें और पेट्रो केमिकल संयंत्र शामिल थे। आईडीएफ ने दावा किया कि इन्हीं लक्ष्यों पर मिसाइलों, रॉकेट और ड्रोन से हमला किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि तेहरान के अलावा राजधानी के पश्चिमी उपनगर करज में जोरदार धमाके हुए हैं। एक जोरदार धमाका मेहराबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के आसपास हुआ है। इस हवाई अड्डे के पास शायद ही कोई दिन ऐसा हो जब हमला न हुआ हो। उधर, सोमवार को पूरे दिन ईरान भर में हुए अमेरिका-इजराइल के हमलों में कम से कम 34 लोग मारे गए, जबकि ईरानी मिसाइलों और ड्रोन ने खाड़ी देशों में मौजूद अहम ठिकानों को निशाना बनाना जारी रखा।

ईरान के युवा और खेल मामलों के उपमंत्री अलीरेजा रहीमी ने ट्रंप की धमकी के मद्देनजर देश के युवाओं से बिजली संयंत्रों के चारों ओर मानव श्रृंखला बनाने का आह्वान किया है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, अलीरेजा रहीमी ने ट्रंप की धमकी के बाद यह अपील की है। ट्रंप कह चुके हैं कि अगर ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को दोबारा नहीं खोलता है तो अमेरिका ईरान के सार्वजनिक बुनियादी ढांचे पर बमबारी करेगा। रहीमी ने एक्स पर लिखा कि मैं सभी युवाओं, सांस्कृतिक और कला जगत की हस्तियों, खिलाड़ियों और चैंपियनों को राष्ट्रीय अभियान 'ईरानी युवाओं की मानव श्रृंखला- एक उज्ज्वल भविष्य के लिए' में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता हूं। उन्होंने लिखा ३मंगलवार दोपहर दो बजे देशभर के बिजली संयंत्रों के पास हम सभी अपनी-अपनी मान्यताओं और विचारों के साथ एक-दूसरे का हाथ थामकर खड़े होंगे और यह संदेश देंगे कि सार्वजनिक बुनियादी ढांचे पर हमला करना एक 'युद्ध अपराध' है। उल्लेखनीय है कि सप्ताहांत ट्रंप ने कहा था कि ईरान के पास किसी समझौते पर पहुंचने के लिए मंगलवार रात आठ बजे (पूर्वी समय) तक का समय है।

अमेरिका ने ईरान के तेल उद्योग के लिए अहम खार्ग द्वीप पर फिर से हमला किया

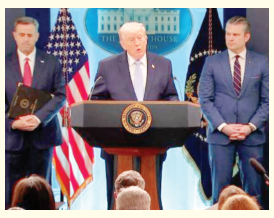

वाशिंगटन। अमेरिका ने एक बार फिर ईरान के तेल उद्योग के लिए अति अहम खार्ग द्वीप पर हमला किया है। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने पहचान गुप्त रखने की शर्त पर यह जानकारी दी। अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि अमेरिका ने द्वीप पर स्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। ये हमले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान को मांगों को मानने या बड़े हमले का सामना करने के लिए निर्धारित की गई समय सीमा से कुछ घंटे पहले हुए। इस बीच ट्रंप ने मंगलवार सुबह एक बार फिर धमकी दी कि अगर ईरान ने समझौता नहीं किया तो 'पूरी सभ्यता आज रात ही खत्म हो जाएगी'। ट्रंप ने द्वीप पर महत्वपूर्ण तेल अवसंरचना पर कब्जा करने के लिए जमीन पर सैनिकों को भी उतारने की धमकी दी है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के अभियान में कई अमेरिकी सैन्य कर्मियों की जान जाएगी और यह युद्ध को समाप्त करने की दिशा में निर्णायक कदम नहीं होगा। इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर और अमेरिकन एंटरप्राइज इंस्टीट्यूट के क्रिटिकल थ्रेट्स प्रोजेक्ट द्वारा उपग्रहों से प्राप्त तस्वीरों के आधार पर किये विश्लेषण के मुताबिक युद्ध के शुरुआती दौर में अमेरिका ने द्वीप पर कई ठिकानों पर हमला किया था, जिनमें हवाई सुरक्षा, एक रडार साइट, एक हवाई पट्टी और एक होवरक्राफ्ट बेस शामिल थे।

कोलकाता पर हमले की पाकिस्तानी धमकी पर राजनाथ बोले– टुकड़े-टुकड़े कर देंगे

कोलकाता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ द्वारा कोलकाता पर हमले की धमकी देने वाले बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि पाकिस्तान को इस तरह की भड़काऊ और गैर जिम्मेदाराना बयानबाजी से बचना चाहिए, अन्यथा उसे इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

पश्चिम बंगाल के बैरकपुर में चुनाव प्रचार के दौरान आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि उस युद्ध के बाद पाकिस्तान दो हिस्सों में बंट गया था और बांग्लादेश का गठन हुआ था। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर पाकिस्तान इस बार पश्चिम बंगाल की ओर बुरी नजर डालने की कोशिश करेगा तो इस बार उसके कितने टुकड़े होंगे, यह केवल भगवान ही जानते हैं। क्या कहा था पाकिस्तान के रक्षा मंत्री नेपाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने 04 अप्रैल को सियालकोट में पत्रकारों से बातचीत करते हुए भारत को धमकी दी थी। उन्होंने कहा था कि यदि भारत कोई झूठा हमला (फॉल्स फ्लैग ऑपरेशन) करने की कोशिश करता है तो संघर्ष केवल सीमा तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि कोलकाता तक पहुंच सकता है। उनके इस बयान के बाद भारत में राजनीतिक प्रतिक्रिया तेज हो गई और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसका सार्वजनिक रूप से जवाब दिया। राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान को इतिहास से सबक लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि 55 वर्ष पहले 1971 में जब युद्ध हुआ था तो पाकिस्तान को इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़े थे। उन्होंने कहा कि यदि पाकिस्तान ने फिर कोई दुस्साहस किया तो परिणाम और भी अधिक गंभीर हो सकते हैं।उन्होंने पाकिस्तान को उकसाने वाली बयानबाजी से बचने और क्षेत्र में शांति बनाए रखने की दिशा में काम करने की सलाह दी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जब पाकिस्तान कोलकाता पर हमले की बात करता है तब केंद्र सरकार को स्पष्ट प्रतिक्रिया देनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री चुनावी रैलियों में तो पश्चिम बंगाल की आलोचना करते हैं, लेकिन बाहरी धमकियों पर चुप रहते हैं।

ईडी ने अल फलाह यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष की संपत्ति जब्त की

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत अल फलाह यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष जवाद अहमद सिद्दीकी की 39.45 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। इसमें दिल्ली का घर, फरीदाबाद की जमीन और बैंक खाते शामिल हैं। ईडी ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि अल फलाह यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष जवाद अहमद सिद्दीकी की 39.45 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की गई है। इसमें दिल्ली का घर, फरीदाबाद की जमीन और बैंक खाते शामिल हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी ने बताया कि यह कार्रवाई धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत छात्रों से धोखाधड़ी और धनशोधन के मामले में हुई है। ईडी ने धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के नियमों के तहत इन संपत्तियों के लेन-देन पर रोक लगाने के लिए एक अस्थायी कुर्की आदेश जारी किया है।

बिहार के मोतिहारी में बीते 06 दिनों में जहरीली शराब से 11 लोगों की मौत

पटना। बिहार के मोतिहारी जिले में जहरीली शराब से मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीते छह दिनों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। सोमवार देर रात रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के बालगंगा वार्ड नंबर 29 निवासी जितेंद्र शाह की मौत के साथ यह आंकड़ा और बढ़ गया। जितेंद्र शाह की मौत ने उनके परिवार को पूरी तरह झकझोर दिया है। वह अपने परिवार के इकलौते कमाने वाले सदस्य थे और उनके निधन से उनकी पांच बेटियों के सिर से पिता का साया उठ गया है।

मृतक की बेटी रानी कुमारी ने आरोप लगाया कि 1 अप्रैल की रात पड़ोसी संजीत शाह ने उनके पिता को शराब पिलाई, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई और अंततः उनकी मौत हो गई। उन्होंने इसे आपसी दुश्मनी का मामला बताया है। वहीं, पत्नी ललीता देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। वह बार-बार यही कह रही हैं कि अब परिवार का पालन-पोषण कैसे होगा, क्योंकि घर में पांच बेटियां हैं और जितेंद्र ही एकमात्र कमाने वाले थे। इस जहरीली शराब कांड में मौतों का सिलसिला 2 अप्रैल से शुरू हुआ था।

4 अप्रैल तक चंदू कुमार, प्रमोद कुमार, परीक्षण मांझी, हीरालाल भगत, लालकिशोर राय, संपत साह और लड्डू साह की मौत हो चुकी थी। इसके बाद 5 अप्रैल को मो. इलियास अंसारी, लड्डू साह (बालगंगा) और जोधा मांझी की मौत हुई। 6 अप्रैल की रात जितेंद्र शाह की मौत के साथ कुल मृतकों की संख्या 11 हो गई है। प्रशासन को आशंका है कि मृतकों की संख्या अभी और बढ़ सकती है, क्योंकि करीब 15 लोग अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं।

उप्र एटीएस ने शामली से चार संदिग्धों को उठाया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की एंटी टेररिस्ट स्क्वाड ने शामली जिले में अलग-अलग जगहों पर छापेमार कर एक महिला समेत चार संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया है। इन लोगों पर देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। जानकारी के अनुसार सहारनपुर से आई एटीएस टीम ने मंगलवार की सुबह शामली जनपद में अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी की है। कैराना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए चार संदिग्धों को उठाया है। पूछताछ के बाद टीम चारों को अपने साथ ले गई। मोहल्ले के लोगों का कहना है कि राशिद और उसकी पत्नी समेत चार लोगों को कार सवार युवक अपने साथ ले गए हैं। राशिद नकली करेंसी के मामले में पहले भी जेल जा चुका है।

लश्कर के आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ 16 साल से फरार सरगना समेत 5 गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लश्कर-ए-तैयबा के एक अंतरराज्यीय आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करके अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरैरा समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। अब्दुल्ला 16 साल से फरार था और उसने केंद्र शासित प्रदेश के बाहर ठिकाना बना रखा था।

जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ-साथ केंद्रीय एजेंसियों के इस ऑपरेशन में एक अन्य पाकिस्तानी आतंकवादी उस्मान उर्फ बैब को भी गिरफ्तार किया गया है। जांचकर्ताओं ने जम्मू-कश्मीर, राजस्थान और हरियाणा समेत 19 स्थानों पर तलाशी के दौरान आपत्तिजनक सामग्री बरामद की। जांच में लश्कर-ए-तैयबा के एक गहरे नेटवर्क का खुलासा हुआ, जो आतंकवादियों को रसद और वित्तीय सहायता प्रदान करने में शामिल था।

असम व पुडुचेरी में विस प्रचार थमा, 9 को मतदान

गुवाहाटी। आसन्न 16वीं असम विधानसभा चुनाव के लिए 9 अप्रैल को होने जा रहे मतदान के मद्देनजर मंगलवार की शाम 5 बजे चुनाव प्रचार अभियान पूरी तरह से समाप्त हो गया। उम्मीदवार आगामी बुधवार को अनौपचारिक रूप से घर-घर प्रचार अभियान चला सकेंगे।

इस बीच मतदान कर्मी बुधवार को अपने पोलिंग स्टेशनों की ओर रवाना होंगे। इसके लिए चुनाव आयोग ने अपनी तैयारी पूरी कर ली है। दूर-दराज के पोलिंग स्टेशनों के लिए खासकर राज्य के पहाड़ी जिले डिमा हसाओ और कार्बी आंगलोंग जिलों के कुछ पोलिंग स्टेशनों के लिए मतदान कर्मी मंगलवार को ही रवाना हो गये। कारण वे आज रवाना होकर बुधवार तक अपने पोलिंग स्टेशन पर पहुंचेंगे।

वहीं केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार मंगलवार शाम थम गया। प्रदेश की सभी 30 सीटों पर 9 अप्रैल को मतदान होगा, जबकि मतगणना 4 मई को की जाएगी। चुनाव प्रचार के अंतिम दौर में सभी राजनीतिक दलों ने पूरी ताकत झोंक दी। सत्तारूढ़ एन.आर. कांग्रेस-भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन एक बार फिर सत्ता में वापसी की कोशिश में है, जबकि कांग्रेस–द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) गठबंधन भी मजबूती से चुनाव मैदान में उतरा है। इसके अलावा अभिनेता से नेता बने विजय की टीवीके पार्टी और सीमान की नाम तमिलर पार्टी के मैदान में उतरने से मुकाबला चार-कोणीय हो गया है। इस चुनाव में कुल 294 उम्मीदवार मैदान में हैं और लगभग 9.48 लाख मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

योगी कैबिनेट ने औद्योगिक इकाइयों के प्रोत्साहन पैकेज पर लगाई मुहर

लखनऊ\नोएडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति-2022 के अंतर्गत उच्च स्तरीय प्राधिकृत समिति (एचएलईसी) की संस्तुतियों को मंजूरी दे दी गई। इस निर्णय के तहत राज्य में संचालित विभिन्न औद्योगिक इकाइयों को लेटर ऑफ कंफर्ट जारी करने, पूंजीगत सब्सिडी उपलब्ध कराने तथा परियोजनाओं में आवश्यक संशोधन को स्वीकृति दी गई है, जिससे उद्योगों को संचालन में सहूलियत मिलेगी और उनकी वित्तीय व्यवहार्यता मजबूत होगी। कैबिनेट बैठक के बाद अपर मुख्य सचिव अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आलोक कुमार ने निर्णयों की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि कैबिनेट के समक्ष रखे गए प्रस्तावों में छह नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना, एक इकाई के सब्सिडी क्लेम और एक परियोजना में संशोधित एलओसी को मंजूरी दी गई। उन्होंने बताया कि शाहजहांपुर में ओएफसी टेक प्रा लि (589 करोड़ रुपये) एवं हाथरस में एजेआई केन इंडस्ट्रीज (1128 करोड़ रुपये) को एसजीएसटी प्रतिपूर्ति के लिए एलओसी जारी किए जाने की मंजूरी दी गई है। अपर सचिव आलोक कुमार ने बताया कि गोरखपुर स्थित इंडिया ग्लाइकोल्स लि. (669 करोड़ रुपये) और प्रयागराज की विस्कोस इंटरनेशनल प्रा. लि. (269 करोड़ रुपये) तथा गौतमबुद्ध नगर की इंटीग्रेटेड बैटरीज इंडिया प्रा. लि. (1146 करोड़ रुपये) को पूंजीगत सब्सिडी देने का निर्णय लिया गया है, जिससे इन इकाइयों की लागत में कमी आएगी और उत्पादन क्षमता को बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

इसके अतिरिक्त मुरादाबाद में त्रिवेणी इंजीनियरिंग को पूंजीगत सब्सिडी वितरण की स्वीकृति दी गई है। साथ ही गौतमबुद्ध नगर स्थित आवादा इलेक्ट्रो लि. के 16,000 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट में संशोधन प्रस्ताव को भी कैबिनेट ने अनुमोदित किया है, जिससे परियोजना के क्रियान्वयन में आने वाली व्यावहारिक बाधाओं को दूर किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि बैठक में विशेष रूप से सोलर सेल और मॉड्यूल मैन्युफैक्चरिंग से जुड़े बड़े निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी गई, जिससे यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र और ग्रेटर नोएडा क्षेत्र को ग्रीन एनर्जी हब के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति होगी। इन परियोजनाओं से सोलर उपकरणों के आयात पर निर्भरता घटेगी और प्रदेश में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। अपर सचिव कुमार ने बताया कि कैबिनेट बैठक में गोरखपुर में उत्तर प्रदेश वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय की स्थापना को मंजूरी दे दी गई। इसके लिए "उत्तर प्रदेश वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय अध्यादेश-2026" के प्रख्यापन को स्वीकृति प्रदान की गई है। यह विश्वविद्यालय गोरखपुर के कैम्पियरगंज क्षेत्र में लगभग 50 हेक्टेयर भूमि पर स्थापित किया जाएगा।

प्रस्तावित विश्वविद्यालय में वानिकी, औद्यानिकी, वन्य जीव संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, एग्रोफॉरेस्ट्री, फल एवं बागवानी सहित कई आधुनिक विषयों में बीएससी, एमएससी, पीएचडी और डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य वनावरण बढ़ाना, जैव विविधता संरक्षण को मजबूत करना, किसानों और छात्रों को आधुनिक प्रशिक्षण देना तथा कृषि और पर्यावरण के क्षेत्र में शोध को बढ़ावा देना है। इस फैसले से प्रदेश में हरित विकास, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संतुलन को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

योगी सरकार ने ग्रेटर नोएडा में 'मेट्रो विश्वविद्यालय' की स्थापना को दी मंजूरी

लखनऊ\नोएडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित कैबिनेट बैठक में उच्च शिक्षा विभाग से संबंधित महत्वपूर्ण प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। इस क्रम में ग्रेटर नोएडा में निजी क्षेत्र के अंतर्गत 'मेट्रो विश्वविद्यालय' की स्थापना को मंजूरी दी गई है, जो प्रदेश में उच्च शिक्षा के विस्तार की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 के प्रावधानों के अंतर्गत यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि उक्त अधिनियम के तहत निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना, उनके विनियमन एवं संचालन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उन्होंने बताया कि प्रायोजक संस्था सनहिल हेल्थकेयर प्रा. लि., नोएडा द्वारा ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से आवंटित 26.1 एकड़ भूमि पर 'मेट्रो विश्वविद्यालय' स्थापित करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था, जिसे विधिक प्रावधानों के अनुरूप परीक्षण के उपरांत स्वीकृति दी गई है। इसके लिए उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 की अनुसूची में संशोधन करते हुए 'उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) अध्यादेश, 2026' प्रख्यापित किए जाने तथा प्रायोजक संस्था को संचालन प्राधिकार-पत्र निर्गत करने का निर्णय लिया गया है। उच्च शिक्षा मंत्री ने बताया कि इस विश्वविद्यालय की स्थापना से प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के नए अवसर सृजित होंगे तथा युवाओं को आधुनिक एवं रोजगारपरक शिक्षा उपलब्ध कराई जा सकेगी। यह पहल राज्य को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि योगी सरकार उच्च शिक्षा के विस्तार, गुणवत्ता संवर्धन और निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। नए विश्वविद्यालयों की स्थापना से प्रदेश में शिक्षा के साथ-साथ रोजगार और कौशल विकास के अवसर भी बढ़ेंगे।

ईएसआईसी अस्पताल में कैंसर का इलाज शुरू

नोएडा। ईएसआईसी अस्पताल में कैंसर का इलाज शुरू कर दिया गया है। मरीजों को ओपीडी और कीमोथेरेपी की सुविधा मिल रही है। ईएसआईसी में पंजीकृत मरीजों को इसका लाभ मिलेगा। सेक्टर-24 स्थित ईएसआईसी अस्पताल में कैंसर मरीजों की ओपीडी शुरू की गई है। कैंसर की पुष्टि होने पर पर सर्जरी पैनल के दूसरे अस्पताल में होगी, क्योंकि वर्तमान में यहां कैंसर सर्जरी की सुविधा नहीं है।

मरीज को ओपीडी और कीमोथेरेपी अस्पताल में ही मिलेगी। वर्तमान में कई मरीजों को दोनों सुविधाएं मिल रही हैं। भविष्य में सर्जरी की सुविधा मिलने की भी उम्मीद है। ईएसआईसी अस्पताल प्रबंधन के अनुसार कैंसर विभाग शुरू किया गया है। ओंको सर्जन की नियुक्ति के बाद ही सर्जरी हो पाएगी। अस्पताल के सभी चिकित्सकीय विभागों में प्रत्येक दिन लगभग 2000 मरीज ओपीडी में इलाज के लिए आते हैं।

मेडिकल कॉलेज के लिए अभी भी डॉक्टरों की कमीईएसआईसी मेडिकल कॉलेज के लिए अस्पताल में अब भी डॉक्टरों की कमी है। हालांकि, इन डॉक्टरों को दूसरे शैक्षणिक वर्ष में छात्रों को पढ़ाना है। 12 प्रोफेसर और सहायक प्रोफेसर की नियुक्ति निकाली गई थी, जिसमें से चार ने ही ज्वाइन किया है। अब भी आठ की नियुक्ति होनी है। इनके साक्षात्कार समेत अन्य प्रक्रिया हो गई थी, लेकिन इन डॉक्टरों ने ज्वाइन नहीं किया।

निर्माण कार्य न करने देने का आरोप

ग्रेटर नोएडा। कंपनी के मैनेजर ने बाप-बेटे पर आवासीय भूखंड के निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न करने का आरोप लगाकर केस दर्ज कराया है। मैनेजर सुब्रत कुमार ने पुलिस को बताया कि बिसरख के समीप उनकी कंपनी का आवासीय भूखंड है। आरोप है कि गंभीर और उनका बेटा भूखंड का निर्माण कार्य रुकवा रहे हैं। वे मजदूरों के साथ गाली-गलौज करते हैं। भूखंड को अपना बताते हैं। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

टेंट के गोदाम में लगी भीषण आग

नोएडा। सेक्टर-70 स्थित बैंक्वेट हॉल परिसर में सोमवार देर रात साढ़े बारह बजे के करीब टेंट के गोदाम में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि वहां रखा टेंट और उससे जुड़ा सामान जलकर राख हो गया। दमकल की पांच गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया गया।

सीएफओ प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि सेक्टर-70 स्थित बैंक्वेट हॉल के प्रांगण में बने अस्थायी गोदाम से अचानक धुआं और लपटें उठने लगीं। आग की भयावहता को देखकर लोगों में अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना अग्निशमन विभाग और पुलिस को दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। आग बुझाने के लिए दमकल की पांच गाड़ियों को लगाया गया। गोदाम में भारी मात्रा में टेंट होने के कारण आग तेजी से फैल रही थी, जिससे उसे नियंत्रित करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। अंदर घना धुआं भरा होने के कारण दमकलकर्मियों को आग बुझाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। दमकलकर्मियों को आग पर काबू पाने में करीब डेढ़ घंटे का समय लगा। गनीमत यह रही कि जिस समय आग लगी, उस वक्त गोदाम के अंदर कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था। इससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। हालांकि, आग में टेंट, कपड़ा, सजावट का सामान और अन्य उपकरण पूरी तरह जल गए।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी के मुताबिक आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। प्रथम दृष्टया यह मामला शॉर्ट सर्किट का लग रहा है, लेकिन अभी स्पष्ट तौर पर कुछ कहना जल्दबाजी होगी। जांच के बाद ही वास्तविक कारण सामने आ पाएगा। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और आसपास की स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए सतर्कता बरती। प्रशासन अब इस बात की भी जांच कर रहा है कि गोदाम में फायर सेफ्टी मानकों का पालन किया जा रहा था या नहीं।

घटनास्थल पर मौजूद लोगों का कहना है कि गोदाम के अंदर शायद बांस भी रखे थे। जब उसमें आग लगी तो दूर तक किसी चीज के चटकने की आवाजें आईं। आसपास के घरों में मौजूद लोग बाहर निकल आए। फिलहाल आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है और स्थिति सामान्य है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत संबंधित विभाग को सूचना दें और अफवाहों से बचें।

मुठभेड़ में किसान को गोली मारने वाला बदमाश गिरफ्तार

नोएडा। जनपद में पुरानी रंजिश के चलते एक किसान के ऊपर गोली चलाकर उसे गंभीर रूप से घायल करने के मामले में फरार चल रहे आरोपित को थाना दनकौर पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की गोली उसके पैर में लगी है। इस घटना में शामिल तीन बदमाश अभी फरार है, जिनकी तलाश की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जोन तृतीय डॉक्टर प्रवीन रंजन सिंह ने मंगलवार को बताया कि थाना दनकौर क्षेत्र के ग्राम अट्टा फतेहपुर में रहने वाले कासिम (48) और उनके भाई के ऊपर चार लोगों ने सोमवार की शाम को उसे समय ताबड़तोड़ गोली चलाई जब वे लोग खेत में काम कर रहे थे। इस घटना में कासिम के जबड़े में गोली लग गई। उन्हें गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। परिजनों की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस बदमाशों की तलाश कर रही थी। पुलिस को सूचना मिली की खजूर वाले बाबा अंडरपास के पास सर्विस रोड पर सोमवार की शाम को

जानलेवा हमला करने वाले बदमाश खड़े हैं, तथा कहीं भागने की फिराक में है।उन्होंने बताया कि पुलिस उनकी तलाश में चेकिंग शुरू कर दी। कुछ देर बाद एक बदमाश आता हुआ दिखाई दिया। जब पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया तो वह भागने लगा। जब पुलिस ने उसे घेर लिया तो उसने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से गोली चला दी, जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई।

इसमें ग्राम अट्टा निवासी आजम के पैर में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस को उसके पास से देशी तमंचा, कारतूस और मोटरसाइकिल बरामद हुआ है। घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल में भेजा गया है। डीसीपी ने बताया कि इस मामले में कासिम ने बीती रात को सलमान, कायदे आजम, शमशेर और जैद को नामित करते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि एक वर्ष पूर्व दोनों पक्षों में बच्चों के झगड़े को लेकर विवाद हुआ था।

तब गांव के लोगों ने इस मामले में समझौता करवा दिया था। सोमवार की शाम को जब कासिम और उनके भाई अफसर खेत में काम कर रहे थे, तभी वहां पर अवैध हथियार लेकर आए उपरोक्त लोगों ने उन पर ताबड़तोड़ गोली चला दी। एक गोली कासिम को लगी थी।

साइबर ठग गिरोह का पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

नोएडा। थाना साइबर क्राइम नोएडा पुलिस ने टेक सपोर्ट के नाम पर विदेशी नागरिकों के साथ साइबर धोखाधड़ी करने वाले चार शातिर अपराधियों को सेक्टर-76 से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों द्वारा अब तक करोड़ों रुपये की ठगी किए जाने के प्रमाण मिले हैं। डीसीपी साइबर शैव्या गोयल ने बताया कि पुलिस को यह सफलता तकनीकी सूचना और लोकल इंटेलिजेंस के आधार पर मिली। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से चार लैपटॉप, आठ मोबाइल फोन, चार माइक-हेडफोन और दो राउटर बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में मौ. बिलाल (26 वर्ष), देव कपाही (25 वर्ष), अभिषेक मुखेजा (27 वर्ष) और कुशाग्र निम्बेकर (24 वर्ष) शामिल हैं, जो दिल्ली और राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों के निवासी हैं।

उन्होंने बताया कि जांच में सामने आया कि आरोपी इंटरनेट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पेड विज्ञापन चलाकर विदेशी नागरिकों को टोल-फ्री नंबर के माध्यम से संपर्क करने के लिए प्रेरित करते थे। जैसे ही कोई विदेशी नागरिक इन नंबरों पर कॉल करता था, कॉलिंग सॉफ्टवेयर के जरिए वह कॉल आरोपियों के लैपटॉप पर रिसीव होती थी। इसके बाद आरोपी स्वयं को टेक्निकल सपोर्ट एजेंट बताकर पीड़ितों को विश्वास दिलाते थे कि उनका कंप्यूटर या डिवाइस हैक हो गया है।

स्क्रीन शेयरिंग एप के माध्यम से वे पीड़ति की स्क्रीन तक पहुंच बना लेते थे और भय उत्पन्न करने के लिए कंप्यूटर स्क्रीन को ब्लैक कर देते थे। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपियों से जानकारी मिली है कि इस प्रक्रिया के दौरान आरोपी पीड़ितों की बैंकिंग जानकारी हासिल कर लेते थे और खाते में उपलब्ध राशि का आकलन करते थे। यदि खाते में कम धनराशि होती थी तो 350 से 2000 अमेरिकी डॉलर तक वसूले जाते थे, जबकि अधिक धन होने पर केस को वरिष्ठ साथियों को ट्रांसफर कर दिया जाता था।

ठगी की रकम को बाद में क्रिप्टो करेंसी के माध्यम से प्राप्त कर आपस में बांट लिया जाता था। उन्होंने बताया कि पूछताछ और बरामद उपकरणों की जांच में करोड़ों रुपये के लेनदेन से संबंधित साक्ष्य प्राप्त हुए हैं। पुलिस के अनुसार, सभी आरोपी उच्च शिक्षित हैं और विदेशी लहजे में बात कर आसानी से लोगों को अपने जाल में फंसा लेते थे। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है और साइबर ठगी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य संभावित आरोपियों की तलाश जारी है।

ग्रेटर नोएडा में उद्योगों की समस्याओं पर एनईए ने की बैठक, एसीईओ ने दिए त्वरित समाधान के निर्देश

नोएडा। उद्यमियों की संस्था नोएडा एन्ट्रेप्रिनियोर्स एसोसिएशन (एनईए) के एक प्रतिनिधिमंडल ने उद्योगों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए मंगलवार को सरजपुर स्थित कार्यालय में ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण के एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की।

बैठक में एनईए अध्यक्ष विपिन कुमार मल्हन ने उद्यमियों की प्रमुख समस्याओं को विस्तार से उठाया। उन्होंने बताया कि मैसर्स एसीएमई फ्लूड सिस्टम को वर्ष 2016 में 450 वर्गमीटर का भूखंड आवंटित किया गया था, जिसकी सभी किस्तें जमा होने के बावजूद 9 वर्ष बाद भी कब्जा नहीं दिया गया है। इसी प्रकार, मैसर्स नासरूल इस्लाम को आवंटित 250 वर्गमीटर के भूखंड का भी अब तक कब्जा नहीं मिल पाया है। इसके अलावा, सेक्टर ईकोटेक-3 में भूखंड संख्या 294 से 359 तक पहुंचने वाली मुख्य सड़क का निर्माण दो स्थानों पर अधूरा होने से आवागमन बाधित हो रहा है। उद्यमियों ने सड़क निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने की मांग की। एनईए ने यह भी मुद्दा उठाया कि पूर्व में कई छोटे औद्योगिक भूखंडों को मिलाकर एक समग्र इकाई बनाई गई थी, लेकिन अब व्यापार सुचारू न होने के कारण उद्यमी उन्हें पुनः अलग-अलग करना चाहते हैं। साथ ही किराया अनुमति शुल्क पूरे भूखंड पर लिए जाने के बजाय केवल किराए पर दिए गए हिस्से पर लेने की मांग की गई। अदेयता प्रमाण पत्र जारी करने में हो रही देरी को लेकर भी उद्यमियों ने चिंता जताई और प्रक्रिया को सरल बनाने की मांग की। एनईए द्वारा बताई गई उक्त समस्याओं को सुनने के बाद एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

उन्होंने एसीएमई फ्लूड सिस्टम के मामले में 10 दिनों के भीतर कब्जा प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिए, जबकि नासरूल इस्लाम के मामले में शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। बैठक में एनईए के महासचिव वीके सेठ, उपाध्यक्ष मयंक गुप्ता, मोहन सिंह, सचिव राजन खुराना सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दिल्ली में अनधिकृत कॉलोनियों के नियमितीकरण और टीओडी नीति लागू करने की घोषणा

10 लाख परिवारों को मिलेगा लाभ: सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली में लंबे समय से चली आ रही अनधिकृत कॉलोनियों की समस्या के समाधान की दिशा में केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। शहरी विकास को गति देने और नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सरकार ने 'एज इज वेयर इज' (जैसा है, जहां है) के आधार पर कॉलोनियों के नियमितीकरण के साथ-साथ यातायात आधारित विकास (टीओडी) योजना लागू करने की घोषणा की है।

केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने मंगलवार को यहां आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में इन योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली के मेयर राजा इकबाल सिंह, मुख्य सचिव राजीव वर्मा, आवासन एवं शहरी विकास मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव डी थारा, दिल्ली विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एन सरवणा कुमार और एमसीडी कमिश्नर संजीव खिरवार मौजूद रहे।

मनोहर लाल ने बताया कि अनधिकृत कॉलोनियों को अब बिना लेआउट प्लान की स्वीकृति के वैधता दी जाएगी और मालिकाना हक की प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। दिल्ली में कुल 22 प्रकार की प्रमुख समस्याएं चिह्नित की गई हैं, जिनमें विभिन्न संस्थाओं के बीच समन्वय की कमी सबसे बड़ी चुनौती थी। दिल्ली सरकार, डीडीए, एमसीडी, एनडीएमसी, एलएनडीओ और दिल्ली जल बोर्ड के बीच अधिकारों का टकराव (ओवरलैपिंग अथॉरिटीज) होने से आम नागरिक परेशान होते थे। अब सभी संस्थाओं को एक साथ ऑन बोर्ड लाकर समाधान निकाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहले दिल्ली सरकार, डीडीए और एलएनडीओ के अलग-अलग सर्कल रेट थे। इस साल एक जनवरी को जारी अधिसूचना के माध्यम से अब दिल्ली सरकार द्वारा तय सर्कल रेट को डीडीए और एलएनडीओ दोनों के लिए लागू कर दिया गया है। इससे कन्वर्जन रेट, रजिस्ट्रेशन शुल्क और लीज होल्ड संपत्तियों से जुड़ी समस्याएं सुलझ रही हैं। कन्वर्जन की प्रक्रिया को जल्द ही कैबिनेट में फाइनल कर लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि टीओडी नीति पहले भी घोषित हुई थी और 2021 की मास्टर प्लान में इसका उल्लेख था, लेकिन कुछ अड़चनें थीं। अब नीति में बदलाव किए गए हैं। रेगुलराइजेशन के लिए 2019 में पीएम-उदय योजना के तहत मालिकाना हक देने का प्रावधान किया गया था, लेकिन काम आगे नहीं बढ़ पाया। अब इसे रेगुलराइजेशन के साथ जोड़ा गया है। आज से रेगुलराइजेशन के सारे नियम लागू करके लोग मालिकाना हक की रजिस्ट्री करा सकेंगे। नए मकान बनाने के लिए एमसीडी के माध्यम से प्लान तैयार करके दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि 2019 की पीएम-उदय योजना के तहत अब तक लगभग 40 हजार संपत्ति हस्तांतरण विलेख (कन्वेंस डीड) और अनुमति पर्ची (ऑथराइजेशन स्लिप) जारी हो चुकी हैं, लेकिन तकनीकी अड़चनों के कारण प्रक्रिया धीमी थी। अब इन समस्याओं को पूरी तरह दूर कर दिया गया है। नई योजना से लगभग 50 लाख लोगों और 10 लाख परिवारों को लाभ मिलेगा।

दिल्ली में कुल 1731 अनधिकृत कॉलोनियां हैं, जिनमें से 1511 को इस योजना के तहत नियमित किया जा रहा है। रिजर्व एरिया, ओजोन, फॉरेस्ट क्षेत्र और संरक्षित स्मारकों के आसपास स्थित कॉलोनियां ही इससे बाहर रखी गई हैं।

उन्होंने कहा कि नई व्यवस्था में लेआउट प्लान की स्वीकृति की कोई जरूरत नहीं रहेगी। सभी भूखंडों और भवनों को जैसा है उसी रूप में मान्यता दी जाएगी। स्वीकृति प्रक्रिया को सरल बनाते हुए नोडल अधिकारी अब दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग के एडीएम होंगे। सर्वे का काम पटवारी और नायब तहसीलदार संयुक्त रूप से करेंगे। प्रक्रिया को समयबद्ध बनाने के लिए सख्त समयसीमा तय की गई है। जीआईएस सर्वे रिपोर्ट 7 दिनों में, एप्लीकेशन में कमी दूर करने का मेमो 15 दिनों में और पूर्ण आवेदन पर कन्वेंस डीड 45 दिनों में जारी करनी होगी। आवेदन 24 अप्रैल 2026 से स्वगम पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन शुरू होंगे।

डीडीए उपाध्यक्ष एन सरवणा कुमार ने बताया कि पहले टीओडी जोन के लिए न्यूनतम 8 हेक्टेयर भूमि और 1 हेक्टेयर प्लॉट साइज की शर्त थी, जिसके कारण निजी क्षेत्र ज्यादा आगे नहीं आ पा रहा था। अब न्यूनतम प्लॉट साइज मात्र 2000 वर्ग मीटर रखा गया है। मेट्रो लाइन के दोनों तरफ 500 मीटर क्षेत्र को टीओडी जोन माना जाएगा, जबकि बड़े रेलवे स्टेशनों के 500 मीटर रेडियस को नोड। यह नीति वर्तमान और प्रस्तावित मेट्रो एवं रेल नेटवर्क पर भी लागू होगी।

उन्होंने कहा कि नई नीति में भूमि उपयोग प्रतिबंध (लैंड यूज रेस्ट्रिक्शन) को पूरी तरह हटा दिया गया है, लेकिन कुल एफएआर (फ्लोर एरिया रेशियो) का 65 प्रतिशत किफायती आवास (100 वर्ग मीटर तक के फ्लैट्स) के लिए अनिवार्य रखा गया है। इससे मध्यम और निम्न आय वर्ग के लिए अधिक घर बन सकेंगे। प्रोजेक्ट सैंक्शन के लिए सिंगल विंडो सिस्टम बनाया गया है। टीओडी कमेटी डीडीए उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में सभी एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ काम करेगी और 60 दिनों के अंदर बिल्डिंग प्लान की मंजूरी देगी। टीओडी चार्जेस को भी सरल बनाया गया है। अब 10,000 रुपये प्रति वर्ग मीटर लिया जाएगा और यह राशि प्रोजेक्ट के इंफ्रास्ट्रक्चर (सड़क, सीवरेज, ड्रेनेज) सुधारने के लिए ही खर्च होगी। इसके लिए रिंग फेंस्ड एस्क्रो अकाउंट बनाया गया है। कुछ राशि एमसीडी को, कुछ डीडीए को जाएगी और बाकी उसी क्षेत्र में खर्च होगी।

अतिरिक्त सचिव डी थारा ने बताया कि 2019 की योजना में ओनरशिप राइट्स तो दिए गए थे, लेकिन बिल्डिंग रेगुलराइजेशन के लिए लेआउट प्लान की जरूरत पड़ती थी, जिसके कारण काम आगे नहीं बढ़ पा रहा था। अब इस अड़चन को पूरी तरह हटा दिया गया है। कोई भी व्यक्ति पीएम-उदय पोर्टल पर ओनरशिप राइट्स के लिए आवेदन कर सकता है और फिर एमसीडी के स्वगम पोर्टल पर भवन नक्शा अपलोड कर नियमितीकरण करा सकता है। लगभग 700 एम्पैनल्ड आर्किटेक्ट्स नक्शे तैयार करेंगे।

थारा ने बताया कि 1731 कॉलोनियों में से 220 ओजोन, फॉरेस्ट या रिज एरिया में हैं, जिन्हें बाहर रखा गया है। शेष 1511 कॉलोनियों की सीमाएं डीडीए ने तय कर दी हैं। नियमितीकरण केवल रेजिडेंशियल उपयोग के लिए होगा। छह मीटर रोड वाले क्षेत्रों में भवन आसानी से नियमित होंगे। चार मीटर रोड वाले क्षेत्रों में पुनर्विकास के दौरान एक-एक मीटर जगह छोड़कर सड़क चौड़ी की जाएगी। छोटे व्यावसायिक प्रतिष्ठान भी सीमित क्षेत्र में नियमित किए जाएंगे। एमसीडी हर महीने ड्रोन सर्वे करेगी और नई अनधिकृत निर्माण गतिविधियों पर सख्ती से नजर रखेगी। आधारभूत सुविधाओं का विकास सरकार की जिम्मेदारी होगी। जिन लोगों ने पहले ही ओनरशिप राइट्स ले लिए हैं, वे 24 अप्रैल से सीधे स्वगम पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं।

बेटे ने ही पिता और चाचा को उतारा मौत के घाट, पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। द्वारका जिले के उत्तम नगर थाना क्षेत्र में दो लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले को पुलिस ने सुलझा लिया है। इस हत्याकांड में मृतक के ही बेटे को आरोपित पाया गया है, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि शराब के नशे में हुए विवाद के बाद आरोपित ने अपने पिता और चाचा की पीट-पीटकर हत्या कर दी।

द्वारका जिले के पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह ने मंगलवार को बताया कि चार अप्रैल को मोहन गार्डन स्थित एक मकान में दो लोगों के मृत पाए जाने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने देखा कि देवेंद्र कुमार (50) और उनके भाई अमित (48) के शव कमरे में पड़े थे। कमरे का सामान बिखरा हुआ था और वहां शराब व बीयर की खाली बोतलें भी मौजूद थीं, जिससे प्रथम दृष्टया मामला शराब के नशे में हुए झगड़े का प्रतीत हुआ। घटना की सूचना मिलते ही क्राइम टीम और एफएसएल की टीम को बुलाया गया, जिन्होंने मौके से अहम साक्ष्य जुटाए। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पुष्टि हुई कि दोनों की मौत अंदरूनी चोटों के कारण हुई, जो गंभीर मारपीट के चलते लगी थीं।

पुलिस उपायुक्त ने आगे बताया कि जांच के दौरान पुलिस ने मकान मालिक नरेश कुमार का बयान दर्ज किया। उन्होंने बताया कि उन्होंने हाल ही में यह मकान देवेंद्र कुमार को नौ हजार रुपये मासिक किराए पर दिया था। देवेंद्र अपने भाई अमित और बेटे ईश्वर के साथ यहां रहने आए थे।

नरेश कुमार के अनुसार, तीन अप्रैल की रात करीब 11:30 बजे उन्हें घर में झगड़े की सूचना मिली थी। जब वह अपने बेटे के साथ मौके पर पहुंचे तो दरवाजा ईश्वर ने खोला, जो नशे में था। उन्होंने उसे समझाकर मामला शांत कराया और वापस लौट आए। लेकिन कुछ देर बाद उन्हें सूचना मिली कि ईश्वर ने अपने पिता और चाचा की हत्या कर दी है। घटना के बाद आरोपित ईश्वर फरार हो गया था। पुलिस ने लगातार प्रयास कर सात अप्रैल को उसे मोहन गार्डन इलाके से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

डिलीवरी ऐप के माध्यम से अवैध रूप से मंगाई जा रही थी शराब, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने 'डिलीवरी ऐप' के माध्यम से संचालित हो रहे अवैध शराब आपूर्ति नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है और हरियाणा से लाई जा रही अवैध शराब जब्त की है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि यह गिरोह ऐप-आधारित लॉजिस्टिक (रसद) सेवाओं का फायदा उठाकर काम करता था, जिससे आरोपी गुप्त रूप से खेप को राज्य की सीमा के बाहर ले जाते थे और उन्हें राष्ट्रीय राजधानी में स्थानीय शराब तस्करों तक पहुंचा देते थे। पीरागढ़ी चौक के पास अवैध शराब की आवाजाही के संबंध में पांच अप्रैल को मिली विशिष्ट खुफिया जानकारी के बाद इस घटना का खुलासा हुआ।

अधिकारी ने बताया, सूचना के आधार पर, पश्चिम विहार पूर्व थाने की एक टीम ने घटनास्थल पर जाल बिछाया। निगरानी के दौरान, पुलिस की नजर एक संदिग्ध तिपहिया टेम्पो की ओर गयी। रुकने का इशारा करने पर, चालक भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन टीम ने उसे पकड़ लिया। चालक की पहचान पुष्पेंद्र (22) के रूप में हुई, जो हरियाणा के बहादुरगढ़ का निवासी है। उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। वाहन की तलाशी लेने पर पुलिस को उसमें केवल हरियाणा में बिक्री के लिएश्‍ लिखे शराब के 16 कार्टन मिले, जिससे पुष्टि हुई कि यह खेप दिल्ली में अवैध आपूर्ति के लिए थी। अधिकारी ने बताया, पूछताछ के दौरान पुष्पेंद्र ने खुलासा किया कि यह खेप दिल्ली के प्रेम नगर निवासी 19-वर्षीय समीर पालीवाल ने एक ऑनलाइन 'डिलीवरी ऐप' के माध्यम से बुक की थी।

इस सूचना के आधार पर पुलिस टीमों ने तलाशी अभियान चलाया और पालीवाल को गिरफ्तार कर लिया।

मुख्यमंत्री ने 12वें इंडिया रबर एक्सपो का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को भारत मंडपम 12वें इंडिया रबर एक्सपो का उद्घाटन किया। उन्होंने यहां आए सभी देश-विदेश के प्रतिनिधियों का दिल्ली में हार्दिक स्वागत किया। इस एक्सपो में 14 से अधिक देशों की भागीदारी के साथ चीन सहित प्रमुख अंतरराष्ट्रीय और भारतीय रबर उद्योग जगत के सहभागिता कर रहे हैं। ऑल इंडिया रबर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन 7-10 अप्रैल तक इस एक्सपो का आयोजन कर रहा है, यह एशिया का सबसे बड़ा रबर उद्योग आयोजन है।

मुख्यमंत्री सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' ने भारत को एक सशक्त मैन्युफैक्चरिंग राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि रबर उद्योग भी इसी उभरती शक्ति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभर रहा है। आज भारत अपने सिविल न्यूक्लियर कार्यक्रम के दूसरे चरण में प्रवेश कर रहा है। यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जो देश की वैज्ञानिक क्षमता, आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व की दिशा में बढ़ते आत्मविश्वास को दर्शाती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार के सतत प्रयासों से उद्योगों को नई गति मिली है और दिल्ली सरकार निवेश, नवाचार और उद्योग-अनुकूल वातावरण को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कल्याणपुरी में हत्या के प्रयास के मामले में तीन नाबालिग को पकड़ा

नई दिल्ली। पूर्वी जिले के कल्याणपुरी इलाके में हुए हत्या के प्रयास के मामले में पुलिस ने तीन नाबालिगों को पकड़ लिया है, जबकि वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया गया है। घटना के पीछे पुरानी रंजिश सामने आई है।

पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार ने मंगलवार को बताया कि चार अप्रैल को थाना कल्याणपुरी में सूचना मिली थी कि चांद सिनेमा के पास एक युवक पर चाकू से हमला किया गया है। घायल को पहले लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे एम्स ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। शुरुआत में घायल बयान देने की स्थिति में नहीं था, जिसके चलते पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

अगले दिन पांच अप्रैल को एम्स में घायल का बयान दर्ज किया गया, जिसमें उसने खुलासा किया कि उस पर चार जान-पहचान के लोगों ने सुबह करीब 9 बजे चाकू से हमला किया। उसने हमले के पीछे पुरानी दुश्मनी को वजह बताया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष टीम का गठन किया। टीम ने तकनीकी निगरानी और स्थानीय खुफिया जानकारी के आधार पर लगातार छापेमारी कर तीन नाबालिग आरोपियों को पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान आरोपितों ने वारदात में अपनी संलिप्तता कबूल कर ली। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने हमले में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद कर लिया। फिलहाल पुलिस अब चौथे आरोपित की तलाश में जुटी है और मामले की आगे की जांच जारी है।

दिल्ली विधानसभा सुरक्षा चूक मामले में आरोपित सरबजीत को 8 दिनों की पुलिस हिरासत

नई दिल्ली। दिल्ली के तीस हजारी कोर्ट ने दिल्ली विधानसभा में सुरक्षा चूक के आरोपित सरबजीत सिंह को आठ दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। दिल्ली पुलिस ने दस दिनों की पुलिस हिरासत की मांग की थी।

दिल्ली पुलिस ने सरबजीत को कोर्ट में पेश करते हुए हिरासत की मांग की और कहा कि उससे पूछताछ करनी है कि इस साजिश के पीछे किस व्यक्ति का हाथ था। पुलिस ये जानना चाहती है कि क्या इस साजिश में दूसरा कोई भी जुड़ा हुआ है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि वो आरोपित का मोबाइल फोन तलाश रही है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक सरबजीत की मानसिक हालत ठीक नहीं है।

सुनवाई के दौरान सरबजीत की ओर से पेश वकील ने पुलिस हिरासत की मांग का विरोध करते हुए कहा कि वो मानसिक रुप से अस्वस्थ है और फिलहाल उसका इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा कि सरबजीत 14-15 दिनों पहले बिना किसी को बताये अचानक अपनी बहन से मिलने चंडीगढ़ के लिए निकला। चंडीगढ़ में वो एक गुरुद्वारे में भी गया। जब उसे पता चला कि उसका भतीजा गुम हो गया है तो वो दिल्ली लौट आया। सरबजीत के वकील ने कहा कि वो विधानसभा को गुरुद्वारा समझ बैठा और उसमें गलती से घुस गया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने इस बात पर गौर किया कि सरबजीत खुद कार चलाकर पीलीभीत से चंडीगढ़ गया और वहां से दिल्ली आया।

दिल्ली पुलिस ने सरबजीत सिंह को 6 अप्रैल को गिरफ्तार किया था। सरबजीत दिल्ली विधानसभा में 6 अप्रैल को नकाब पहनकर वीआईपी गेट नंबर 2 से बैरिकेडिंग तोड़ते हुए घुस गया। अंदर पहुंच वो सीधे विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता के दफ्तर पहुंचा और पोर्च में गुलदस्ता रखकर फरार हो गया। बाद में दिल्ली पुलिस ने सरबजीत के साथ दो और लोगों को भी गिरफ्तार किया।

उपराज्यपाल ने गुरु तेग बहादुर के प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में की अरदास

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने नौवें सिख गुरु गुरुतेग बहादुर के प्रकाश पर्व पर मंगलवार को गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में अरदास की। यह जानकारी सोशल मीडिया अकाउंट एक्स 'लोक निवास दिल्ली' पर साझा की गई है।

उपराज्यपाल ने धर्म एवं मानवता की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले गुरु तेग बहादुर जी के प्रकाश पर्व की सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि गुरु महाराज हम सभी के लिए प्रेरणापुंज हैं। शौर्य, बलिदान, त्याग और करुणा से परिपूर्ण उनका जीवन हमें अधर्म, अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध एकजुट होने की प्रेरणा देता है। उपराज्यपाल ने गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में अन्य श्रद्धालुओं के साथ यहां लंगर भी ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि हम 'हिंद दी चादर' को नमन करते हैं, जिनका मानवता, धार्मिक स्वतंत्रता और न्याय की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

दिल्ली में नाबालिग को बेचने की साजिश नाकाम, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक नाबालिग बच्ची को सुरक्षित बचा लिया है। बताया जा रहा है कि बिहार की रहने वाली नाबालिग अपने एक दोस्त के कहने पर घर से भाग कर दिल्ली आ गई थी और यहां वह जिस शख्स के घर रह रही थी, वह उसे बेचना चाहता था, लेकिन पुलिस ने समय रहते कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

दरअसल, 2 अप्रैल की सुबह लगभग 10:00 बजे कमला मार्केट थाने की एक पुलिस टीम, जिसमें एसआई किरण सेठी, महिला कांस्टेबल खुशबू और महिला कांस्टेबल पूजा शामिल थीं, रूटीन गश्त पर थी, तभी एक लगभग 17 साल की नाबालिग लड़की उनके पास मदद मांगने आई।

पीड़िता ने बताया कि वह बिहार के दरभंगा जिले की रहने वाली है। उसने 14 मार्च को अपने परिवार के साथ घरेलू झगड़े के बाद घर छोड़ दिया था और एक दोस्त की सलाह पर दिल्ली आ गई थी। शिवजी दास (52 साल), जो उसके दोस्त का परिचित था, ने उसे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर रिसीव किया। वह उसे दिल्ली के नेहरू विहार स्थित अपने घर ले गया, जहां वह कथित तौर पर घरेलू काम के लिए 15 मार्च से 2 अप्रैल तक रुकी रही।

पीड़िता ने आरोप लगाया कि जब शिवजी दास की पत्नी बाहर गई हुई थी, तो आरोपी ने उसकी इज्जत पर हाथ डालने की कोशिश की, गलत इशारे किए और उसे धमकी दी कि अगर उसने किसी को बताया तो वह उसे बदनाम कर देगा। 2 अप्रैल को आरोपी लड़की को एसएन मार्ग इलाके में ले गया। उसने लड़की से एक पार्किंग में इंतजार करने को कहा। उसने कहा कि वह उसके लिए नौकरी ढूंढने के सिलसिले में एक दोस्त से मिलने जा रहा है। इंतजार करते समय पीड़िता को वहां का माहौल संदिग्ध लगा और उसे असुरक्षित महसूस हुआ। जब उसने महिला गश्ती टीम को वहां से गुजरते देखा, तो उसने तुरंत मदद के लिए उन्हें इशारा किया।

पुलिस ने पीड़िता का बयान दर्ज किया और आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। जब टीम गवाहों के बयान दर्ज करने के लिए पास की एक दुकान पर गई, तो उन्हें पता चला कि आरोपी लड़की को बेचने के लिए सौदेबाजी करने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वहीं, अमन विहार इलाके में एक व्यक्ति के खिलाफ पॉक्सो एक्ट की धारा 8 के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि व्यक्ति ने स्पीकर ठीक करने के बहाने एक 8 वर्षीया बच्ची को अपने घर बुलाकर उससे दुष्कर्म किया। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

एंटी-नारकोटिक्स सेल ने दिल्ली में चल रहे फर्जी कॉल सेंटर का किया भंडाफोड़, 12 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली मध्य जिले के रणजीतनगर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत गुरु अर्जुननगर में चल रहे एक फर्जी कॉल सेंटर का एंटी-नारकोटिक्स सेल ने भंडाफोड़ किया है।

गुप्त सूचना पर एंटी-नारकोटिक्स सेल की टीम ने गुरु अर्जुननगर स्थित रतनलाल कॉम्प्लेक्स पर छापा मारा, जहां एक फर्जी कॉल सेंटर चल रहा था। पुलिस ने मौके से काल सेंटर के जरिए धोखाधड़ी कर रहे 12 आरोपियों को गिरफ्तार है। जिनमें 2 मालिक और 10 टेलीकॉलर शामिल हैं। कॉल सेंटर मालिक सौरभ निवासी पांडवनगर (28) और शाहनवाज निवासी शादीपुर जबकि टेली-कॉलर्स अंजलि, कशिश, रजनी, गनमैन, पूजा, कविता,मंजू,रक्षा, इमरान और अनु के रूप में पहचान हुई है।

जांच के दौरान पता चला कि आरोपी "आरडी सर्विसेज" नाम से फर्जी कॉल सेंटर चला रहे थे और फर्जी रोड साइड असिस्टेंस पॉलिसी बेचकर ग्राहकों को धोखा दे रहे थे।

कॉल करने वाले लोग ग्राहकों से कभी बेतरतीब ढंग से तो कभी डाटा के माध्यम से संपर्क करते थे। इसके बाद ग्राहकों से झूठा दावा करते थे कि भारत में कहीं भी वाहन संबंधी किसी भी समस्या, जैसे टायर पंचर, गाड़ी खराब होना या अन्य आपात स्थिति में ग्राहक एक समर्पित हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करके तुरंत मौके पर सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

विश्वास हासिल करने के लिए आरोपियों ने कैश ऑन डिलीवरी (सीओडी) की पेशकश करते थे कि उन्हें एक प्लास्टिक पॉलिसी कार्ड पहुंचाया जाएगा। ग्राहकों को कार्ड प्राप्त होने पर डिलीवरी करने वाले व्यक्ति को भुगतान करने का निर्देश देते थे। आरोपी आमतौर पर प्रति पॉलिसी 3 से 4 हजार रुपए वसूलते थे।

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने खुलासा किया कि वे छह महीनों से फर्जी कॉल सेंटर चला रहे थे। उन्होंने जानबूझकर ग्राहकों को दिए गए आधिकारिक हेल्पलाइन नंबर के रूप में कीपैड वाले मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया। पॉलिसी बिकने और पैसे मिलने के बाद ग्राहकों के कॉल रिसीव नहीं करते थे और उन्हें कभी कोई सहायता प्रदान नहीं की जाती थी। आरोपियों ने स्वीकार किया कि उनके पास इस तरह की सेवा संचालित करने के लिए कोई वैध पंजीकरण नहीं है।

एंटी-नारकोटिक्स सेल ने मौके से एक कंप्यूटर सिस्टम, फर्जी प्लास्टिक पॉलिसी कार्ड, ग्राहक डेटा शीट और कॉल करने के लिए इस्तेमाल किए गए मोबाइल फोन बरामद किए हैं। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों को बरामद वस्तुओं के साथ रणजीत नगर पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया। इसके बाद रणजीत नगर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संपादकीय

डेडलाइन से पहले पलटे ट्रंप

राष्ट्रपति ट्रम्प ने कुछ दिन पहले धमकी दी थी कि ईरान ने अगर मंगलवार रात 8 बजे (अमेरिका समयानुसार) तक होर्मुज स्ट्रेट नहीं खोला तो उसके संसाधनों को निशाना बनाया जाएगा। इस डेडलाइन के खत्म होने से लगभग 12 घंटे पहले ही अमेरिका ने अचानक खर्ग आइलैंड पर बड़ा हमला कर दिया। जिससे ईरान को जन धन की भारी हानि उठानी पड़ी है। खबरों के मुताबिक इस हमले में सैन्य ठिकानों और मिसाइल डिपो को निशाना बनाया गया। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक, मंगलवार को ईरान के काशान शहर के पास यहयाबाद रेलवे पुल पर अमेरिका-इजराइल के हमले में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। खर्ग द्वीप पर हमले कर ईरानी तेल उत्पादन इकाईयां को भारी नुकसान पहुंचाया है। डेडलाइन के खत्म होने से पहले ही अमेरिका और इस्त्राइल के हमले की चौतरफ़ा आलोचना हो रही है। ट्रंप की इस कार्रवाई से खाड़ी क्षेत्र में तनाव चरम पर पहुंच गया है और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की सप्लाई बाधित होने व पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भारी उछाल की आशंका बढ़ गई है। डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज खोलने के लिए कड़ी चेतावनी दी थी और इसके लिए समय सीमा तय की थी। डेडलाइन खत्म होने से पहले इस तरह के हमले के दावों को अमेरिका के सख्त सैन्य रुख के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। इसके अलावा ईरान की राजधानी तेहरान और आसपास के शहरों में धमाकों के साथ पुलों व रेलवे ट्रैक को निशाना बनाए जाने की खबरें सामने आई हैं। इन हमलों के बाद ईरानी सेना ने दावा किया है कि वह अब चुप नहीं बैठेंगे और अमेरिका व उसके साथियों के ठिकानों पर भी हमला किया जाएगा। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा कि देश के 1.4 करोड़ से ज्यादा लोग जरूरत पड़ने पर देश के लिए जान देने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि वह अपनी खुद भी जान देने को तैयार हैं। इन सब हालात के बीच ईरान के मशहूर संगीतकार अली गम्सारी ने अमेरिकी धमकी के बाद भी दमावंद पावर प्लांट के सामने बैठकर 'माय होमलैंड' (मेरा वतन) नाम का संगीत बजाया। जिसके जरिए उन्होंने अपने देश के लिए प्यार और शांति का संदेश देने की कोशिश की। यह प्रदर्शन इसलिए खास है क्योंकि अमेरिका ने आज यानी मंगलवार को ईरानी पावर प्लांट और ब्रिज पर हमले की धमकी देने के बाद तय समय सीमा से पहले ही हमला किया है।

बिहार में लड़कियों को पढ़ाने का रुझान बढ़ा है

बालिका शिक्षा को मजबूत बनाने के लिए कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय भी एक महत्वपूर्ण पहल है। इन विद्यालयों में विशेष रूप से उन लड़कियों को निःशुल्क शिक्षा और आवास की सुविधा दी जाती है जो सामाजिक या आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आती हैं। इस समय बिहार में सैकड़ों कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय संचालित हो रहे हैं, जिनमें हजारों लड़कियाँ पढ़ रही हैं। इसके साथ-साथ अक्षर आंचल योजना के माध्यम से उन महिलाओं और किशोरियों को साक्षर बनाया जा रहा है जो किसी कारणवश बचपन में शिक्षा प्राप्त नहीं कर सकीं। इस योजना के अंतर्गत लाखों महिलाओं को साक्षर बनाया जा चुका है, जिससे समाज में शिक्षा का स्तर बढ़ा है। इन योजनाओं के प्रभाव से ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों के विद्यालय जाने की संख्या बढ़ी है। वर्ष 2005 में जहाँ कक्षा 10 में लड़कियों की संख्या बहुत कम थी, वहीं हाल के वर्षों में यह संख्या कई गुना बढ़ गई है। लड़कियों के विद्यालय में नामांकन और परीक्षा में भागीदारी का अनुपात भी पहले की तुलना में अधिक संतुलित हुआ है। पहले लड़कों और लड़कियों का अनुपात लगभग 67:33 था, जो अब लगभग 50:50 के आसपास पहुंच गया है। यह परिवर्तन केवल सरकारी प्रयासों का परिणाम नहीं है, बल्कि समाज की सोच में भी धीरे-धीरे बदलाव का संकेत है।

-विभा कुमारी-

बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में बालिका शिक्षा को लेकर पिछले दो दशकों में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला है। एक समय था जब लड़कियों की शिक्षा को परिवारों में प्राथमिकता नहीं दी जाती थी, लेकिन अब परिस्थितियाँ धीरे-धीरे बदल रही हैं। आँकड़ों के अनुसार वर्ष 2001 में बिहार की महिला साक्षरता दर मात्र लगभग 33.57 प्रतिशत थी, जो वर्ष 2011 तक बढ़कर 51.50 प्रतिशत हो गई और हाल के वर्षों में यह लगभग 60 प्रतिशत से अधिक तक पहुँच चुकी है। यह वृद्धि इस बात का संकेत है कि समाज में लड़कियों की शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी है, साथ ही सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

इन आंकड़ों के बढ़ने के पीछे कोई कागजी खेल नहीं, बल्कि बिहार सरकार की कई महत्वपूर्ण योजनाएँ हैं, जिनका उद्देश्य लड़कियों को विद्यालय से जोड़ना और उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए प्रेरित करना है। वर्ष 2007 में शुरू की गई मुख्यमंत्री बालिका साइकिल योजना इनमें सबसे प्रभावशाली मानी जाती है। इस योजना के तहत कक्षा 9 में पढ़ने वाली लड़कियों को साइकिल खरीदने के लिए आर्थिक सहायता दी जाती है, ताकि वे दूर स्थित विद्यालय तक आसानी से पहुँच सकें। इस योजना से अब तक लाखों लड़कियाँ लाभान्वित हो चुकी हैं और इसके कारण विद्यालय छोड़ने वाली लड़कियों की संख्या में कमी आई है। इसी प्रकार मुख्यमंत्री बालिका प्रोत्साहन योजना के तहत मैट्रिक परीक्षा में प्रथम श्रेणी प्राप्त करने वाली छात्राओं को आर्थिक सहायता दी जाती है, जिससे उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए प्रेरणा मिलती है।

इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना बालिका शिक्षा को एक समग्र रूप में बढ़ावा देने वाली योजना है। जिसकी शुरुआत वर्ष 2008-09 में की गई थी, जिसे वर्ष 2018 में और विस्तारित किया गया। इसके अंतर्गत बालिका के जन्म से लेकर स्नातक तक विभिन्न चरणों पर आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इसका उद्देश्य लड़कियों को पढ़ाई जारी रखने और बाल विवाह को रोकने के लिए प्रोत्साहित करना है। जो अब जमीन पर नजर भी आ रहा है।

बालिका शिक्षा को मजबूत बनाने के लिए कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय भी एक महत्वपूर्ण पहल है। इन विद्यालयों में विशेष रूप से उन लड़कियों को निःशुल्क शिक्षा और आवास की सुविधा दी जाती है जो सामाजिक या आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आती हैं। इस समय बिहार में सैकड़ों कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय संचालित हो रहे हैं, जिनमें हजारों लड़कियाँ पढ़ रही हैं। इसके साथ-साथ अक्षर आंचल योजना के माध्यम से उन महिलाओं और किशोरियों को साक्षर बनाया जा रहा है जो किसी कारणवश बचपन में शिक्षा प्राप्त नहीं कर सकीं। इस योजना के अंतर्गत लाखों महिलाओं को साक्षर बनाया जा चुका है, जिससे समाज में शिक्षा का स्तर बढ़ा है। इन योजनाओं के प्रभाव से ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों के विद्यालय जाने की संख्या बढ़ी है। वर्ष 2005 में जहाँ कक्षा 10 में लड़कियों की संख्या बहुत कम थी, वहीं हाल के वर्षों में यह संख्या कई गुना बढ़ गई है। लड़कियों के विद्यालय में नामांकन और परीक्षा में भागीदारी का अनुपात भी पहले की तुलना में अधिक संतुलित हुआ है। पहले लड़कों और लड़कियों का अनुपात लगभग 67:33 था, जो अब लगभग 50:50 के आसपास पहुंच गया है। यह परिवर्तन केवल सरकारी प्रयासों का परिणाम नहीं है, बल्कि समाज की सोच में भी धीरे-धीरे बदलाव का संकेत है। हालांकि इन उपलब्धियों के बावजूद बालिका शिक्षा अभी भी शत-प्रतिशत सफल नहीं हो पाई है। इसके पीछे कई सामाजिक और आर्थिक कारण हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी कई परिवारों में यह धारणा प्रचलित है कि लड़कियों की शिक्षा की अपेक्षा उनकी शादी अधिक महत्वपूर्ण है। कम उम्र में विवाह की परंपरा के कारण कई लड़कियाँ पढ़ाई बीच में ही छोड़ देती हैं। इसके अलावा गरीबी भी एक बड़ा कारण है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों में अक्सर लड़कियों को घरेलू कार्यों में लगा दिया जाता है, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित होती है। कुछ क्षेत्रों में विद्यालय की दूरी, सुरक्षित परिवहन की कमी तथा विद्यालयों में शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव भी बालिका शिक्षा में बाधा उत्पन्न करता है। एक अन्य महत्वपूर्ण कारण सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं हैं। कई अभिभावक लड़कियों की सुरक्षा को लेकर चिंतित रहते हैं, विशेषकर जब विद्यालय दूर स्थित हो। इसके अलावा शिक्षा के प्रति जागरूकता की कमी भी एक बड़ी समस्या है। कुछ परिवार अभी भी यह मानते हैं कि लड़कियों को अधिक पढ़ाने से कोई विशेष लाभ नहीं होगा, क्योंकि अंततः उन्हें घर-गृहस्थी ही संभालनी है। यह सोच बालिका शिक्षा के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा है।

बालिका शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के लिए केवल योजनाएं बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर भी ध्यान देना आवश्यक है। कई बार देखा जाता है कि योजनाओं की जानकारी ग्रामीण क्षेत्रों तक सही ढंग से नहीं पहुंच पाती, जिसके कारण पात्र छात्राएँ लाभ से वंचित रह जाती हैं। इसके अतिरिक्त विद्यालयों की गुणवत्ता में सुधार, शिक्षकों की नियमित उपस्थिति तथा आधुनिक शिक्षा संसाधनों की उपलब्धता भी आवश्यक है। हालांकि इन मुद्दों पर पिछले कुछ वर्षों में काफी ध्यान दिया गया है।

भविष्य में शत-प्रतिशत बालिका शिक्षा का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकते हैं। सबसे पहले, ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के प्रति जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए, ताकि लोगों की सोच में सकारात्मक बदलाव आए। पंचायत स्तर पर नियमित बैठकों और जनसभाओं के माध्यम से बालिका शिक्षा के महत्व को समझाया जा सकता है। दूसरा, विद्यालयों की संख्या और उनकी दूरी को ध्यान में रखते हुए नए विद्यालयों की स्थापना की जानी चाहिए, ताकि लड़कियों को लंबी दूरी तय न करनी पड़े। तीसरा, विद्यालयों में सुरक्षित वातावरण और आवश्यक सुविधाएँ जैसे शौचालय, स्वच्छ पेयजल और उचित बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। साथ ही, सरकार को छात्रवृत्ति योजनाओं का दायरा बढ़ा कर इसमें सभी प्रकार की तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा को भी जोड़ देना चाहिए, ताकि लड़कियाँ शिक्षित होने के साथ साथ आत्मनिर्भर भी बन सकें। हालांकि यह कहना गलत नहीं होगा कि जब जेंडर के मुद्दे पर समाज की सोच पूरी तरह बदल जाएगी और शिक्षा को हर लड़की का अधिकार माना जाएगा, तभी शत-प्रतिशत बालिका शिक्षा का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकेगा।

अपराधियों को सुधारने का प्रयास किया जाए

-लेखक- संजय गोस्वामी-

यह एक निर्विवाद और सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत तथ्य है कि अपराध से कानून की अवहेलना होती है और अपराध में वृद्धि होती है। अपराध क्या है? इसकी व्याख्या और परिभाषा के संबंध में कोई एकल, सार्वभौमिक परिभाषा विकसित नहीं की गई है। आज जो अपराध है वह कल बदलती सामाजिक परिस्थितियों में अपराध नहीं रह सकता है और जो आज अपराध नहीं है वह कल अपराध का मानक बन सकता है।

इसलिए, अपराध की सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत परिभाषा तैयार करना न केवल कठिन है, बल्कि असंभव भी है। दूसरा, सामाजिक जीवन के बड़े संदर्भ की परवाह किए बिना, तब तक अपराध नहीं माना जाता जब तक कि वह क्रिमिनल लॉ द्वारा प्रतिबंधित न हो। डोनाल्ड आर. टैफ्ट के शब्दों में, अपराध कानून द्वारा दंडनीय काम है। गिलिन और गिलिन के अनुसार, कानूनी नज़रिए से, अपराध किसी देश के कानून के खिलाफ किया गया काम है। इस प्रकार, ऊपर दी गई सभी परिभाषाओं का विश्लेषण करने पर, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि अपराध जानबूझकर किया गया व्यवहार है। अपराधी परिवारों के पुरुष और महिलाएं अलग-अलग तरह के अपराध करते हैं। पारंपरिक अपराधों और आधुनिक अपराधों में उनके शामिल होने का मकसद क्या है? पहले की गरिमा और औचित्य से समझौता किए बिना यह कहना सही होगा। वैज्ञानिक नज़रिए से, अपराध कानून का उल्लंघन है। यह वह व्यवहार है जो क्रिमिनल कोड में प्रतिबंधित और दंडनीय है। एनालिटिकल स्टडी की सुविधा के लिए, अपराध की दूसरी वैज्ञानिक परिभाषाओं का इस्तेमाल किया गया, जो अपराधी परिवारों से मिले डेटा की मदद से निष्कर्ष पर पहुंचीं। 53.01 प्रतिशत अपराधियों ने अपराध करना स्वीकार किया, और 46.99 प्रतिशत ने कहा कि पुलिस ने अपनी कार्रवाई पूरी करने के लिए बेवजह झूठे और मनगढ़ंत मामले दर्ज किए।

1. गरीबी रेखा से नीचे के परिवार अक्सर किसी न किसी तरह के क्राइम में शामिल होते हैं, जिसे लगभग 53 प्रतिशत जवाब देने वालों ने माना। 2. कुछ मामलों में, इन परिवारों के पुरुष और महिलाएं, खासकर पुरुष, जबरदस्ती क्रिमिनल बना दिए जाते हैं, जिसमें पुलिस अहम भूमिका निभाती है, अपनी ऑफिशियल ड्यूटी पूरी करती है। 3. क्रिमिनल परिवारों के पुरुष अक्सर शराब पीते हैं, और इस नशे में, वे सही और गलत की समझ खो देते हैं, क्राइम की ओर बढ़ते हैं, और अपना मेंटल बैलेंस खो देते हैं। वे यह समझ नहीं पाते कि वे क्या कर रहे हैं या यह सही है या नहीं, और क्राइम में शामिल हो जाते हैं। 4. उनमें सेल्फ-कॉन्फिडेंस की कमी होती है। उनके क्राइम के कारणः क्राइम एक यूनिवर्सल घटना है जो सीधे इंसानी व्यवहार से जुड़ी है। इस इंसानी व्यवहार के क्या कारण हैं? दूसरे शब्दों में, क्राइम के क्या कारण हैं? वर्ट क्राइम के कारणों की एक लंबी लिस्ट पेश करते हैं, जो असल में, पूरी तरह से सही है। अपर्याप्त मनोरंजन सुविधाएं, दोषपूर्ण परिसर, शारीरिक हीनता, भावनात्मक असंतुलन, अस्थायी पागलपन, शिक्षा की कमी, व्यक्तिवादी अराजकता, सामाजिक अपूर्णता, अवैध धन-संपत्ति कमाना, शराबखोरी आदि। अपराधों में शामिल होने के सिद्धांत और कारण - सामान्य रूप से, कुछ परिस्थितियां और कारण आपराधिक प्रवृत्तियों को जागृत करने, प्रोत्साहित करने और प्रेरित करने के लिए जिम्मेदार होते हैं। 1. अपराध सामान्यतः मानवीय व्यवहार से संबंधित होता है। ऐसा माना जाता है कि परिवार के सदस्य अपराधों में शामिल होते हैं, लेकिन सभी मानवीय व्यवहार अपराध से प्रभावित होते हैं। अपराध हमेशा विनाशकारी होता है, यह सामान्यता की श्रेणी में नहीं आता है और इसे करने का कारण चाहे जो भी हो, समाज द्वारा अस्वीकार्य है। स्पष्ट रूप से, अपराध का बढ़ता प्रचलन व्यक्ति, समुदाय और समाज के लिए हानिकारक है। विभिन्न विद्वानों ने अपराधियों को कई आधारों पर विभाजित किया है, जैसे लोम्ब्रोसो ने जन्मजात अपराधी, पागल अपराधी, यौन अपराधी और आकस्मिक अपराधी सदरलैंड ने निचले तबके को आम क्रिमिनल और व्हाइट-कॉलर क्रिमिनल में बांटा है। इसी तरह, अलग-अलग जानकारों ने क्रिमिनल को अलग-अलग कैटेगरी में बांटा है। क्रिमिनल परिवारों के मर्द और औरतों को इंसान माना जाता है क्योंकि क्राइम नॉर्मल बिहेवियर पैटर्न के खिलाफ काम है। 2. इरादे और बिहेवियर के बीच एक कनेक्शन होता है, लेकिन क्राइम होने के लिए यह ज़रूरी है कि क्रिमिनल इरादा बाहर से जाहिर हो। 3. क्राइम से पर्सनल टूटता है। इस बारे में, क्रिमिनोलॉजिस्ट ओटो रांके कहते हैं कि टूटी हुई पर्सनैलिटी क्राइम की वजह है। प्रोफेसर मार्क्स और एंगेल्स कहते हैं कि हालात क्राइम के लिए ज़मीन तैयार करते हैं और क्राइम इकोनॉमिक कंडीशन का नतीजा है। परिस्थितियाँ एवं परिस्थितियाँ, जो समाज की देन हैं। अतः अपराध को भी समाज की देन मानकर स्वीकार करना चाहिए। अपराध का मुख्य कारण वातावरण है। इसके अन्तर्गत धन का अभाव होता है। व्यापार पर बुरा प्रभाव पड़ता है। आश्रित प्रभावित होते हैं तथा उजड़े हुए मकान, गंदी बस्तियाँ, बुरी संगत, अस्वस्थ मनोरंजन, निर्धनता, पारिवारिक वातावरण, अशांत उपसंस्कृतियाँ, गंदी बस्तियाँ, छात्रावास एवं कॉलेज की संस्कृति, जुनून आदि तथा समकक्ष समूह की भूमिका आदि के कारण समाज प्रभावित होता है। अपराध करने के अन्य कारणः 1. अज्ञानता-कुछ लोगों में यह गलत धारणा है कि वे सब जानते हैं कि अपराध एक सामाजिक, आर्थिक, शारीरिक एवं मानसिक बुराई है जिसके कारण हत्याएँ होती हैं, मकान बिक जाते हैं, दिवालिया हो जाते हैं, लोग अपराधी बन जाते हैं, शादियाँ बर्बाद हो जाती हैं, हत्याएँ होती हैं, आत्महत्याएँ होती हैं तथा दुःख एवं निर्धनता भी बढ़ती है। जुआ, वेश्यावृत्ति, बलात्कार, अपहरण, चोरी, डकैती, मारपीट आदि भी अपराध के परिणाम हैं। चरित्र पतन, भ्रष्टाचार, कानून की अवहेलना भी इसके दुष्परिणाम हैं। व्यक्तिगत टूटन, पार्लर टूटन तथा सामाजिक टूटन भी इसी के कारण होती है। अपराध करने पर बीमारियां, अभाव, गरीबी और बेरोजगारी पनपती है। अतः अपराध गुलामी का सूचक है। जिसके कारण वे अपने परिवार की भी परवाह नहीं करते और एक के बाद एक अपराध करते रहते हैं। 2. तनाव, पारिवारिक क्लेश और निराशा - जब परिवार में पैसे की कमी के कारण बीमारी और दैनिक जरूरतें पूरी नहीं होती हैं, तो मानसिक और पारिवारिक परेशानियां शुरू हो जाती हैं। इससे तनाव पैदा होता है और व्यक्ति अपराध की ओर मुड़ जाता है। 3. संगति और मित्र मंडली - अपने सगे-संबंधियों और दोस्तों के साथ भी अनेक अपराध करने से व्यक्ति को अपने जीवन में निम्नलिखित सामाजिक और आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे व्यक्ति के ये दोष हैं - 1. इससे कानून की अवहेलना और व्यभिचार बढ़ता है। 2. इसका प्रभाव व्यक्ति के परिवार पर पड़ता है। 3. इसका असर मनुष्य के मन पर पड़ता है और उसमें भय फैल जाता है। 4. बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है। डर के कारण उनका बाहर निकलना या बैठना दूभर हो जाता है।

मुश्किलों से उबरने के लिए बुद्धि और वीरता का सहारा लेना चाहिए, पशु-बलि का नहीं!

गौतम बुद्ध के काल में एक राजा था अजातशत्रु। एक समय जब अजातशत्रु कई मुश्किलों से घिर गया, राजा मुसीबतों से बाहर निकलने का रास्ता नहीं खोज पा रहा था। इन परेशानियों के कारण अजातशत्रु की चिंता बहुत बढ़ गई थी। इसी दौरान उनकी भेंट एक तांत्रिक से हुई। राजा ने तांत्रिक को चिंता का कारण बताया। तांत्रिक ने राजा को मुसीबतों से मुक्ति के लिए पशु बलि देने का उपाय बताया। राजा ने तांत्रिक की बात पर भरोसा करते हुए पशुओं की बलि देने का मन बना लिया। इसके लिए एक बड़ा अनुष्ठान किया गया और बलि के लिए एक भैंसे को बांधकर मैदान में खड़ा कर दिया गया। संयोगवश उस समय में गौतम बुद्ध राजा अजातशत्रु के नगर पहुंचे। बुद्ध ने देखा कि एक मूक पशु की गर्दन पर मौत की तलवार लटक रही है तो उनका मन करुणा से भर आया। वे राजा अजातशत्रु के पास पहुंचे। बुद्ध ने एक तिनका राजा को देकर कहा कि राजन, मुझे इसे तोड़कर दिखाएं। राजा ने तिनके के दो टुकड़े करके गौतम बुद्ध को दे दिए। गौतम बुद्ध ने टूटे तिनके फिर से राजा को देकर कहा कि अब इन दोनों टुकड़ों को जोड़कर दिखाएं। गौतम बुद्ध की यह बात सुनकर अजातशत्रु अचंभित रह गया। राजा ने कहा- टूटे तिनके कैसे जुड़ सकते हैं? राजा का उत्तर सुनकर बुद्ध ने कहा कि राजन, जिस तरह यह तिनका तोड़ा जा सकता है, जोड़ा नहीं जा सकता। उसी तरह मूक पशु को मारने के बाद आप उसे जिंदा नहीं कर सकते। बल्कि इस जीव हत्या से परेशानियां कम होने के बजाय और बढ़ती ही हैं। आप ही की तरह इस पशु को भी तो जीने का हक है। जहां तक मुश्किलों का सवाल है तो इन्हें कम करने के लिए बुद्धि और वीरता का सहारा लेना चाहिए। असहाय प्राणियों की बलि मत दीजिए। भगवान बुद्ध की ये बात सुनकर राजा अजातशत्रु भी शर्मिंदा हो गया। राजा ने तत्काल पशु-बलि बंद करने का आदेश दे दिया।

आज का इतिहास

1820 - वीनस डी मिलो की खोज एजियन द्वीप मिलोस में हुई थी।
1886 - विलियम इवार्ट ग्लैडस्टोन ने ब्रिटिश हाउस ऑफ कॉमन्स में पहला आयरिश होम नियम बिल पेश किया था।
1904 - फ्रांसीसी तीसरा गणराज्य, ग्रेट ब्रिटेन और आयरलैंड ने यूनाइटेड किंगडम एंटेंटे कॉर्डियल पर हस्ताक्षर किये थे।
1904 - न्यूयॉर्क टाइम्स के बाद मिडटाउन मैनहट्टन में लॉन्गाके स्क्वायर का नाम बदलकर टाइम्स स्क्वायर रखा गया था।
1908 - हार्वर्ड विश्वविद्यालय हार्वर्ड बिजनेस स्कूल की स्थापना के लिए वोट दिए गए थे।
1911 - डच भौतिक विज्ञानी हेइक कामरलिंगह ओन्स ने सुपर कंडक्टिविटी की खोज की थी।
1924 - अतातुर्क के सुधार के हिस्से के रूप में, तुर्की में शरिया अदालतों को समाप्त कर दिया गया था।
1929 - भारतीय स्वतंत्रता आंदोलनः दिल्ली केंद्रीय विधानसभा में, भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने अदालत में गिरफ्तारी के लिए हैंडआउट्स और बम फेंके थे।
1935 - वर्क्स प्रगति प्रशासन का गठन तब किया जब 1935 के आपातकालीन राहत अनुज्ञा अधिनियम कानून बन गया था।
1946 - दुनिया की सबसे बड़ी उपयोगिता कंपनी ईट्रिक्ट्रिस डे फ्रांस, कई विद्युत उत्पादकों, ट्रांसपोर्टरों और वितरकों के राष्ट्रीयकरण के परिणामस्वरूप बनाई गई थी।
1950 - भारत और पाकिस्तान ने लयाकत-नेहरू संधि पर हस्ताक्षर किए थे।
1954 - दक्षिण अफ्रीकी एयरवेज की उड़ान 201 ए डी हैविलैंड डीएच.106 और धूमकेतु 1 रात में समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गए थे।
1959 - अमेरिकी राज्यों के संगठन ने अंतर-अमेरिकी विकास बैंक बनाने के लिए एक समझौता किया था।
1964 - जैमिनी 1 परीक्षण उड़ान आयोजित की गयी थी।
2004 - दारफुर में युद्धः मानवीय युद्धविराम समझौते पर सूडानी सरकार और दो विद्रोही समूहों द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे।

पश्चिम बंगाल की नई वोटर लिस्ट से 91 लाख बाहर

अजय कुमार

सुप्रीम कोर्ट के सख्त आदेश के बाद चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल की फाइनल वोटर लिस्ट जारी कर दी है। छह अप्रैल को शीर्ष अदालत ने 24 घंटे में आयोग को फाइनल वोटर लिस्ट जारी करने का आदेश दिया था। पश्चिम बंगाल में विशेष गहन संक्षिप्त पुनरीक्षण के बाद अब यह बड़ा कदम उठा। 91 लाख वोटर्स के नाम हटा दिए गए। यह संख्या किसी भूकंप से कम नहीं। हर जिले की अलग सूची जारी की गई ताकि पारदर्शिता बनी रहे। आयोग ने स्पष्ट किया कि 60 लाख से अधिक मतदाता जांच के दायरे में थे। इनमें से 27 लाख से ज्यादा के नाम कट गए। ये पहले से संदिग्ध सूची में थे। मृतकों के नाम भी बड़ी संख्या में शामिल हैं। यह कदम लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने वाला है या राजनीतिक खेल का हिस्सा? गौरतलब हो, पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट लंबे समय से विवादों में थी। विधानसभा चुनावों के दौरान अवैध घुसपैठ के आरोप लगे। बांग्लादेश से आए कथित घुसपैठियों के नामों का मुद्दा गरमाता रहा। भाजपा ने बार-बार चेतावनी दी कि वोटर लिस्ट में फर्जी नाम भरे पड़े हैं। तृणमूल कांग्रेस ने इसे साजिश बताया। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों पक्षों की सुनवाई की। अदालत ने कहा कि स्वच्छ वोटर लिस्ट बिना लोकतंत्र अधूरा है। आयोग को निर्देश दिया कि तत्काल

कार्रवाई हो। 24 घंटे में लिस्ट जारी करो, वरना अवमानना का सामना करो। यह आदेश आयोग के लिए चुनौती था। पश्चिम बंगाल जैसे बड़े राज्य में लाखों नामों की जांच करना आसान नहीं। फिर भी आयोग ने कमर कस ली। विशेष पुनरीक्षण अभियान चलाया। क्षेत्रीय अधिकारियों को सक्रिय किया। परिणाम सामने आया 91 लाख नाम कट गए।

आंकड़ों पर नजर डालें तो तस्वीर साफ होती है। 60 लाख संदिग्ध मतदाता थे। जांच में 27 लाख कटे। बाकी 91 लाख में मृतक नाम प्रमुख हैं। आयोग ने कहा कि कई नाम ऐसे थे जो दशकों पुराने हैं। मालिक मर चुके, फिर भी लिस्ट में दर्ज। कुछ नाम डुप्लिकेट थे। एक ही व्यक्ति का कई जगह नाम। कुछ अवैध प्रवासियों के। जिले दर जिले सूची जारी हुई। कोलकाता में सबसे ज्यादा कटौती। उत्तर 24 परगना और दक्षिण 24 परगना जैसे सीमावर्ती जिलों में संख्या डरावनी। वहां घुसपैठ का खतरा हमेशा रहता है। आयोग ने दावा किया कि यह प्रक्रिया निष्पक्ष रही, राजनीतिक दबाव से मुक्त। हर नाम हटाने से पहले सत्यापन हुआ। जनप्रतिनिधियों को सूचना दी गई। फिर भी विपक्ष चिल्ला रहा है। तृणमूल का कहना है कि यह भाजपा की साजिश है। वोट बैंक कम करने का प्रयास। लेकिन आयोग के पास प्रमाण हैं। मृत्यु प्रमाण पत्र आधारित हटाए गए नाम। आधार कार्ड से जुटाई गई जानकारी। यह सफाई लोकतंत्र के लिए जरूरी थी। इस कदम के राजनीतिक निहितार्थ गहरे हैं। पश्चिम बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को विधानसभा चुनाव के लिये मतदान होना है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल का वर्चस्व है। ममता बनर्जी की सरकार पर घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप। भाजपा इसे बड़ा मुद्दा बनाएगी। 91 लाख नाम कटने से तृणमूल का वोट बैंक प्रभावित होगा, खासकर मुस्लिम बहुल इलाकों में। आयोग का यह फैसला भाजपा के पक्ष में जाता दिखता है।

सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप स्वागतयोग्य है। लेकिन सवाल उठता है कि इतना बड़ा सफाया पहले क्यों नहीं हुआ। चुनाव आयोग पर पहले आलोचना हुई कि वह निष्क्रिय है। अब सक्रियता की तारीफ हो रही। फिर भी चुनौतियां बाकी हैं। हटाए गए नामों वाले लोग क्या करेंगे। अपील का रास्ता खुला है। आयोग ने कहा कि वैध साबित करने पर नाम वापस आ सकते हैं। लेकिन समय कम है। चुनावी माहौल में यह विवाद और भड़केगा। राजनीतिक दल सड़कों पर उतरेंगे। शांति भंग होने का खतरा। सामाजिक प्रभाव भी कम नहीं। पश्चिम बंगाल में गरीबी और बेरोजगारी ज्यादा। कई परिवार वोटर कार्ड पर निर्भर। नाम कटने से राशन कार्ड प्रभावित हो सकता। सरकारी योजनाओं का लाभ रुक सकता। मृतकों के नाम हटना तो सही, लेकिन जीवितों का क्या। कुछ निर्दोष कट सकते हैं। जांच में चूक हो सकती। ग्रामीण इलाकों में जागरूकता कम। लोग नाम कटने की सूचना भी न पाएं। आयोग को अब प्रचार अभियान चलाना चाहिए। हर गली मोहल्ले में सूचना पहुंचानी चाहिए। डिजिटल माध्यमों का सहारा लें। वोटर हेल्पलाइन सक्रिय रखें।

यह प्रक्रिया पूरे देश के लिए मिसाल बने। अन्य राज्यों में भी ऐसा हो। उत्तर प्रदेश, बिहार जैसे राज्यों में फर्जी वोटरों की भरमार है। वहां भी सफाई जरूरी। सुप्रीम कोर्ट का निर्देश राष्ट्रीय स्तर पर लागू हो। बहरहाल, चुनाव आयोग की यह कार्रवाई सराहनीय है। 91 लाख नाम हटाकर उसने विश्वास जीता। लेकिन पारदर्शिता बनाए रखनी होगी। हर कटे नाम का कारण सार्वजनिक करें। राजनीतिकरण न होने दें। सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में आगे बढ़ें। पश्चिम बंगाल की जनता को लाभ मिलेगा। स्वच्छ वोटर लिस्ट से सच्चा जनादेश आएगा। लोकतंत्र मजबूत होगा। ममता बनर्जी सरकार को जवाब देना होगा। घुसपैठ पर स्पष्टीकरण दें। भाजपा को सतर्क रहना होगा कि यह राजनीतिक हथियार न बने। कुल मिलाकर यह सकारात्मक कदम है। वोट की अहमियत बढ़ेगी। फर्जी वोटरों का राज खत्म होगा। आने वाले चुनाव रोचक होंगे। सच्चाई की जीत होगी। आयोग का यह कदम भारतीय लोकतंत्र के लिए मील का पत्थर है। आयोग ने साबित किया कि वह निष्पक्ष है। सुप्रीम कोर्ट ने संवैधानिक कर्तव्य निभाया। अब बारी जनता की। जागरूक बनें। अपना नाम चेक करें। वैध वोट दें। पश्चिम बंगाल से सबक लें। स्वच्छ मतदाता सूची ही सच्चे लोकतंत्र की गारंटी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@gmail. Com

बंगाल में भाजपा का सत्ता में आना तय, घुसपैठियों को वापस भेजा जाएगा : शाह

पाथरकांडी (असम)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में 'परिवर्तन' निश्चित है और इस राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्ता में आते ही सभी घुसपैठियों को उनके देशों में वापस भेज दिया जाएगा।

शाह ने यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए यह भी दावा किया कि कांग्रेस ने असम की बराक घाटी में अवैध प्रवासियों को शरण दी, जिससे उन्होंने श्रीभूमि, सिलचर और कछार जिलों में अपना 'दबदबा' बना लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) का विरोध इसलिए करती है क्योंकि उसे पता है कि यह कानून सुनिश्चित करेगा कि राज्य में कोई घुसपैठिया न रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि बांग्लादेश से सताए गए हिंदू इस कानून के दायरे में आते हैं। कांग्रेस इसका विरोध करती है, लेकिन पार्टी मुस्लिम घुसपैठियों के स्वागत के लिए रेड कार्पेट बिछाती है। शाह ने कहा कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है और देश में 'घुसपैठियों के लिए कोई जगह नहीं है'। गृह मंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में 'परिवर्तन' तय है। जैसे ही भाजपा राज्य में सत्ता में आएगी, असम, त्रिपुरा और बंगाल से सभी घुसपैठियों को उनके देशों में वापस भेज दिया जाएगा।' उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस 'घुसपैठियों की मदद से सत्ता में आना चाहती है, लेकिन राहुल बाबा को समझ लेना चाहिए कि उनकी तीन पीढ़ियां भी असम को घुसपैठियों की भूमि नहीं बना सकतीं।'

हैलाकांडी में एक अन्य रैली को संबोधित करते हुए शाह ने दावा किया कि कांग्रेस ने असम में मुस्लिम छात्रों के लिए 700 मदरसे बनाए, लेकिन भाजपा ने उनमें से 402 को प्राथमिक विद्यालयों में बदल दिया ताकि उन्हें भी आधुनिक शिक्षा मिल सके। केंद्रीय गृह मंत्री ने आरोप लगाया कि जब से राहुल गांधी पार्टी में सबसे आगे आए हैं, कांग्रेस के नेतागण 'सार्वजनिक जीवन में बहुत नीचे गिर गए हैं'। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयान से यह बात साबित हो गई है। उन्होंने दावा किया कि केरल के मतदाताओं की तुलना में गुजराती निरक्षर हैं। शाह ने खरगे पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा को सांप कहने का आरोप लगाया। उन्होंने कांग्रेस पर दिल्ली में एआई समिट में प्रदर्शन करके देश को अपमानित करने का आरोप भी लगाया। शाह ने कहा कि राहुल गांधी अपने प्रदर्शनकारियों को बब्बर शेर कहते हैं जो दिखाता है कि कांग्रेस निचले स्तर पर गिर गई है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने असमिया और बांग्ला दोनों भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया है। शाह ने दावा किया कि भाजपा ने बराक घाटी के विकास के लिए कई परियोजनाएं शुरू की हैं, जिनमें सिलचर-गुवाहाटी एक्सप्रेसवे, सिलचर में एक राज्य सचिवालय और श्रीभूमि में एम्स का एक केंद्र शामिल हैं। शाह ने कहा कि बराक घाटी के तीन जिलों के विधानसभा क्षेत्रों के मतदाताओं ने हमेशा भाजपा का साथ दिया है, लेकिन "इस बार उन्हें यह पक्का करना होगा कि भाजपा और उसके गठबंधन के साथी सभी 13 विधानसभा क्षेत्रों में जीतें। शाह ने कहा कि भाजपा असम में 'जाति', 'माटी' (भूमि) और 'भेटी' (आधार) की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। शाह ने दावा किया कि भाजपा ने करीमगंज का नाम बदलकर श्रीभूमि कर दिया, लेकिन 'जिनकी जड़ें इटली में हैं, वे नाम परिवर्तन के महत्व को कैसे समझेंगे?' यह टिप्पणी उन्होंने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के संदर्भ में की।

'सोनार बांग्ला' बनाने के लिए भाजपा को जिताएं: सम्राट चौधरी

कोलकाता। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि पश्चिम बंगाल को फिर से सोनार बंगाल बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को अपना समर्थन दें। भाजपा यहां से घुसपैठिए को भगाने, लोकतंत्र स्थापित करने और बंगाली अस्मिता को फिर से स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिस तरह आजादी की लड़ाई में पश्चिम बंगाल का सबसे बड़ा योगदान था, उसी तरह अब घुसपैठियों की हिमायती, हिंदू विरोधी और अराजक ममता सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए बंगाली समाज तैयार है।

सम्राट चौधरी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के प्रत्याशियों के नामांकन में शामिल होने मंगलवार को हावड़ा पहुंचे। यहां एमजी रोड स्थित एचएमसी कार्यालय के पास आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अगर पश्चिम बंगाल में घुसपैठ समाप्त करना है, सुशासन स्थापित करना है और संदेशखाली जैसी घटनाएं रोकनी हैं तो भाजपा को जिताना होगा। सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बाहरी भीतरी को राजनीतिक हथकंडा बताते हुए कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर बंगाल का मुख्यमंत्री कोई बाहरी नहीं, बल्कि पश्चिम बंगाल का बेटा या बेटी ही बनेगा। उन्होंने कहा कि बंगाल में 26 हजार नौकरियों में लूट हुई। युवाओं का हक छीना गया। जिन 8 हजार स्कूलों में बंगाली बच्चे पढ़ते थे, उन्हें बंद किया गया, जबकि मदरसों को बंद नहीं किया गया। सम्राट चौधरी ने कहा कि जिस तरह बिहार में पिछले पांच वर्षों में 50 लाख लोगों को सरकारी नौकरी और रोजगार दिया गया, उसी तरह पश्चिम बंगाल में भी बड़े स्तर पर रोजगार सृजन किया जाएगा। पश्चिम बंगाल के लोगों को भी आयुष्मान कार्ड का लाभ मिलेगा। यहां सातवां वेतनमान लागू किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी की सरकार घुसपैठियों को संरक्षण दे रही है और राज्य में अराजकता का माहौल है। बंगाल में हिंदुओं के साथ जुल्म हो रहा है और गुंडागर्दी बढ़ी है। बिहार के उपमुख्यमंत्री ने कहा कि ममता दीदी ने वोट बैंक को मजबूत करने के लिए बांग्लादेशियों को बुला रही है, घुसपैठ को बढ़ावा दे रही है। एसआईआर का विरोध कर रही हैं। घुसपैठियों को बचाने की कोशिश कर रही हैं, जिस तरह बिहार से घुसपैठियों को मतदाता सूची से हटाया गया, उसी तरह पश्चिम बंगाल से बांग्लादेशियों को भगाने का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल का चुनाव सिर्फ राज्य का नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है। सम्राट चौधरी ने कहा कि एक समय कोलकाता में पूरे देश से लोग नौकरी करने आते थे, लेकिन आज यहां से पलायन हो रहा है। मुंबई, दिल्ली और चेन्नई तेजी से आगे बढ़ गए, जबकि कोलकाता पीछे रह गया।

चौधरी ने जनता से अपील की अगर पश्चिम बंगाल से घुसपैठिए को समाप्त करना है,यहां सुशासन स्थापित करना है, आप चाहते हैं कि संदेशखाली जैसी घटना फिर कभी नहीं घटे। हमारी मां-बहन की तरफ कोई गंदी नजरों से नहीं देख सके, तो भाजपा को जिताने का काम करें। उन्होंने कहा कि सोनार बांगला बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी को जिताना होगा।

पश्चिम बंगाल के आसनसोल में पीएम मोदी की जनसभा, तैयारियां तेज

आसनसोल। पश्चिम बंगाल के चुनावी महासंग्राम के बीच नौ अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से आसनसोल के पोलो ग्राउंड स्टेडियम में एक बड़ी चुनावी जनसभा का आयोजन किया जा रहा है। इस जनसभा को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री की इस रैली को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

जनसभा को लेकर तैयारियां युद्धस्तर पर जारी हैं। पोलो ग्राउंड स्थित स्टेडियम परिसर को बड़े पैमाने पर सजाया और व्यवस्थित किया जा रहा है ताकि हजारों की संख्या में पहुंचने वाले लोगों के लिए पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। मंच निर्माण, बैठने की व्यवस्था, बैरिकेडिंग, पार्किंग और मीडिया कवरेज के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। भाजपा के स्थानीय नेताओं के अनुसार, इस जनसभा के जरिए पार्टी आसनसोल क्षेत्र और आसपास की विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवारों के पक्ष में माहौल मजबूत करने की कोशिश कर रही है। पार्टी को उम्मीद है कि प्रधानमंत्री मोदी की इस रैली से कार्यकर्ताओं में जोश बढ़ेगा और मतदाताओं पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। प्रधानमंत्री के आगमन को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। आयोजन स्थल से लेकर हेलीपैड तक पूरे क्षेत्र को हाई सिक्योरिटी जोन में तब्दील कर दिया गया है। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा आसनसोल कोर्ट क्षेत्र से लेकर गैलेक्सी मॉल इलाके तक को आंशिक रूप से नो-एंट्री जोन घोषित किया गया है। इस दौरान आम आवाजाही पर निगरानी रखी जा रही है और जरूरत के अनुसार यातायात व्यवस्था में बदलाव किए जा रहे हैं। केंद्रीय सुरक्षा बलों के जवानों की तैनाती के साथ-साथ स्थानीय पुलिस भी मुस्तैदी से ड्यूटी पर लगी हुई है।

असम पुलिस कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के दिल्ली स्थित आवास पर पहुंची

नई दिल्ली/गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी की ओर से कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा के खिलाफ दर्ज कराई गयी प्राथमिकी के सिलसिले में पूछताछ के लिए असम पुलिस की एक टीम मंगलवार को खेड़ा के दिल्ली स्थित आवास पर पहुंची। दिल्ली पहुंची असम पुलिस की टीम में शामिल अपर पुलिस आयुक्त देबोजीत नाथ के मुताबिक गुवाहाटी में क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है। हमें इस केस के सिलसिले में पवन खेड़ा की तलाश थी। हम उनकी तलाश में आए थे, लेकिन वह नहीं मिले और उनके घर की तलाशी ली गई। हमें कुछ आपत्तिजनक सामान मिला है। इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस ज़ब्त कर लिए गए हैं। वह कहां हैं, यह अभी पता नहीं है, लेकिन उन्हें ढूंढ लिया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक पवन खेड़ा पहले ही दिल्ली से हैदराबाद की यात्रा पर रवाना हो चुके हैं। हालांकि उनकी इस यात्रा का उद्देश्य स्पष्ट नहीं हो सका है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस प्रवक्ता खेड़ा ने हाल ही में आरोप लगाया था कि मुख्यमंत्री डॉ. सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां के पास तीन विदेशी पासपोर्ट और अमेरिका एवं संयुक्त अरब अमीरात में अघोषित संपत्तियां हैं। इस प्रकरण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि पवन खेड़ा ने हिमंत बिस्वा सरमा और उनके परिवार के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं।

पवन खेड़ा के घर असम पुलिस की छापेमारी को कांग्रेस ने बताया राजनीतिक प्रताड़ना

नई दिल्ली/गुवाहाटी। कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा के दिल्ली स्थित आवास पर असम पुलिस की छापेमारी का पार्टी ने विरोध करते हुए इसे राजनीतिक प्रताड़ना करार दिया है। पार्टी ने इसके खिलाफ संघर्ष का भी ऐलान किया है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुवाहाटी में पत्रकार वार्ता में कहा कि भाजपा सरकार पर सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार है। पवन खेड़ा पर लगाए गए आरोपों की जांच सरकार को करानी चाहिए और जनता को बताना चाहिए कि आरोप सही हैं या गलत। एफआईआर दर्ज कर लें, इससे कोई डरता नहीं है। हम मुकाबला करेंगे। सीबीआई, ईडी, इनकम टैक्स जैसी एजेंसियां हमें लगातार तंग करती रही हैं। जो लोग जेल गए, बाद में भाजपा में शामिल होकर साफ हो गए। इस मामले में भी हम लड़ेंगे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि पवन खेड़ा को जनहित में सवाल पूछने के कारण गिरफ्तार करने की कोशिश यह साबित करती है कि असम के मुख्यमंत्री विचलित और घबराए हुए हैं। उन्होंने इसे विधिसम्मत प्रक्रिया नहीं बल्कि विपक्ष की आवाज़ दबाने का प्रयास बताया।

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने एक्स पर कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा गंभीर भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे हैं और इसी कारण बौखलाए हुए हैं। पवन खेड़ा ने साक्ष्यों के साथ सवाल पूछे हैं, लेकिन मुख्यमंत्री जवाब देने के बजाय धमकियां दे रहे हैं और पुलिस का इस्तेमाल कर रहे हैं। जनता आगामी 9 अप्रैल को इसका जवाब देगी। उल्लेखनीय है कि पवन खेड़ा ने हाल ही में प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाया था कि असम के मुख्यमंत्री की पत्नी रिनिकी भुइंया सरमा के पास तीन विदेशी पासपोर्ट हैं और उनके नाम से कई कंपनियां विदेशों में रजिस्टर्ड हैं, जिसकी जानकारी मुख्यमंत्री ने चुनाव आयोग को नहीं दी है। इस पर रिंकी भुइंया ने असम पुलिस से शिकायत की थी।

इस पर असम पुलिस की टीम मंगलवार सुबह दिल्ली के निजामुद्दीन ईस्ट स्थित खेड़ा के घर पहुंची। असम पुलिस के अपर पुलिस आयुक्त देबोजीत नाथ ने बताया कि गुवाहाटी के क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन में पवन खेड़ा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उनकी तलाश में टीम दिल्ली आई थी। तलाशी के दौरान कुछ आपत्तिजनक सामग्री और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ज़ब्त किए गए हैं। हालांकि खेड़ा उस समय घर पर मौजूद नहीं थे। अभी उनके ठिकाने की जानकारी नहीं है, लेकिन उन्हें जल्द ढूंढ लिया जाएगा।

अप्रैल में राशनकार्डधारियों को मिलेगा केरोसिन

रायपुर। प्रदेश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली पीडीएस के तहत अप्रैल 2026 के लिए केरोसिन का आबंटन जारी कर दिया गया है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने केंद्र सरकार से प्राप्त प्रथम तिमाही (अप्रैल-जून) के कोटे में से 528 किलोलीटर केरोसिन राशनकार्डधारियों के लिए आवंटित किया है। यह केरोसिन उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से वितरित किया जाएगा। खाद्य विभाग के अनुसार, अंत्योदय और प्राथमिकता श्रेणी के सभी राशनकार्डधारियों को इसका लाभ मिलेगा। शहरी क्षेत्रों में प्रति राशनकार्ड अधिकतम 1 लीटर और ग्रामीण क्षेत्रों (अनुसूचित एवं गैर-अनुसूचित) में अधिकतम 2 लीटर केरोसिन दिया जाएगा। राज्य शासन ने सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि केरोसिन का समय-सीमा में उठाव और वितरण सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर प्रचार-प्रसार कर हितग्राहियों को उनकी पात्रता की जानकारी देने को कहा गया है। जिन उचित मूल्य दुकानों में केरोसिन की मांग कम है, वहां शेष स्टॉक को जरूरत वाले दुकानों में पुनः आबंटित किया जाएगा।

भारत की स्वास्थ्य प्रणाली पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा के समन्वय का उदाहरण: नड्डा

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्यमंत्री जेपी नड्डा ने देशभर में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और संतुलित जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया।

मंगलवार को एक्स पर साझा किए अपने संदेश में नड्डा ने कहा कि भारत की स्वास्थ्य प्रणाली को पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा के समन्वय का उदाहरण है, जो न केवल देश बल्कि वैश्विक स्तर पर भी लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य क्षेत्र में कई बड़े बदलाव हुए हैं। आयुष्मान भारत योजना और प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना जैसी पहल ने गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए इलाज को अधिक सुलभ और किफायती बनाया है। इन योजनाओं के माध्यम से देश के लाखों लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल रहा है।

जेपी नड्डा ने इस अवसर पर डॉक्टरों, नर्सों और सभी फ्रंटलाइन स्वास्थ्यकर्मियों के योगदान को भी सराहा। उन्होंने कहा कि उनकी मेहनत और समर्पण से ही देश की स्वास्थ्य व्यवस्था मजबूत बनी हुई है। उन्होंने आह्वान किया कि सरकार और समाज के सभी वर्गों से मिलकर एक स्वस्थ और सशक्त भारत के निर्माण के लिए आगे आना चाहिए । उल्लखनीय है कि विश्व स्वास्थ्य दिवस हर साल 7 अप्रैल को मनाया जाता है। यह दिन विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना की वर्षगांठ के रूप में मनाया जाता है, जिसकी शुरुआत 1948 में हुई थी।

इस दिन का मुख्य उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और दुनिया भर में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ावा देना है।

नवजोत कौर सिद्धू ने नया राजनीतिक दल बनाया, नाम है भारतीय राष्ट्रवादी पार्टी

चंडीगढ़। पूर्व क्रिकेटर एवं पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी डॉ. नवजोत कौर सिद्धू ने नए राजनीतिक दल के गठन का ऐलान कर दिया। नवजोत कौर सिद्धू ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए 'भारतीय राष्ट्रवादी पार्टी' के गठन का ऐलान किया। नवजोत कौर के अहम फैसले के दौरान नवजोत सिद्धू उनके साथ नहीं थे। वह इन दिनों क्रिकेट मैच की कमेंट्री में व्यवस्त हैं। डॉ.नवजोत कौर सिद्धू पंजाब में मुख्य संसदीय सचिव रह चुकी हैं। वह अपने पति के साथ कांग्रेस में भी सक्रिय रही हैं। नवजोत कौर सिद्धू ने अपनी पार्टी का ऐलान बगैर किसी शोर-शराबे के किया । सोमवार देररात एक्स के माध्यम से यह जानकारी दी।

उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि जिस घोषणा का बेसब्री से इंतज़ार था, वह अब सामने है। हमने राजनीतिक नेताओं के मौजूदा कामकाज के स्तर की बारीकी से निगरानी और समीक्षा करने के बाद, राष्ट्रीय स्तर पर एक नए विकल्प पर काम करना शुरू कर दिया है। हम बस अपना जीवन अपने देश को समर्पित करना चाहते हैं, और लोगों को वह सब लौटाना चाहते हैं जिसके वे सचमुच हकदार हैं और जिसकी वे हमसे उम्मीद करते हैं। यह एक ईश्वरीय हस्तक्षेप है जिसने कुछ ऐसे समान विचारधारा वाले लोगों को एक साथ ला दिया है, जिनके पास हर राज्य में काम करने की क्षमता, आत्मविश्वास, साहस और दृढ़ संकल्प है।

उनका साझा लक्ष्य है—न्याय और शांति प्रदान करना, और प्रेम के माध्यम से 'उच्च चेतना' की ऊर्जा के साथ काम करते हुए, ठीक वही कर दिखाना जो 'वाहेगुरु जी' हमसे चाहते हैं। हम पंजाब को उसकी खोई हुई पुरानी शान—एक स्वर्ण राज्य होने का गौरव—वापस दिलाने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। एक ऐसा राज्य जहां लोग प्रेम, मिल-बांटकर रहने, न्याय, स्वतंत्रता के अधिकार और आज़ादी की शक्ति को पहचानते हों। जहां लोग बिना किसी बाहरी दखल के, निस्वार्थ सेवा और आध्यात्मिक विकास के उद्देश्य से काम करते हुए अपने लक्ष्यों, मूल्यों और दृष्टिकोण को प्राप्त करते हों। यह पंजाब के लोगों की, लोगों के लिए और लोगों द्वारा चलाई जाने वाली सरकार होगी। हम आध्यात्मिक गुरुओं की सहायता से लोगों की घायल आत्माओं को सुकून पहुंचाएंगे और 'सत्य तथा प्रेम' के उस मार्ग पर चलेंगे जो स्वयं 'वाहेगुरु जी' की भाषा है।

बस्तर 2.0 की शुरुआत: मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री को सौंपा विकास का ब्लूप्रिंट, मानसून बाद दौरे का न्योता

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मंगलवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात कर बस्तर क्षेत्र के समग्र विकास के लिए एक महत्वाकांक्षी और दूरदर्शी ब्लूप्रिंट प्रस्तुत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने नक्सलवाद के अंत के बाद प्रदेश में स्थापित शांति के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया और उन्हें मानसून के बाद बस्तर दौरे के लिए औपचारिक आमंत्रण भी दिया।

प्रस्तावित दौरे में कई बड़ी विकास परियोजनाओं के शिलान्यास और लोकार्पण की योजना है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने दोनों नेताओं की मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हुए यह जानकारी दी। मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बस्तर समेत पूरे राज्य में नक्सलवाद समाप्त हो चुका है और अब क्षेत्र में शांति का माहौल है। इस बदलते परिदृश्य में सरकार का फोकस अब तीव्र विकास, रोजगार सृजन और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार पर है। उन्होंने प्रधानमंत्री को सौंपे गए दस्तावेज़ में शिक्षा, स्वास्थ्य, कनेक्टिविटी, ऊर्जा, कृषि और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में व्यापक योजनाओं का खाका प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में एजुकेशन सिटी, सुपर स्पेशलिटी अस्पताल और नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जा रहे हैं। वहीं, इंद्रावती नदी पर बैराज निर्माण, रेल लाइन विस्तार और एयरपोर्ट अपग्रेडेशन के जरिए कनेक्टिविटी को मजबूत किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि इन पहलों से बस्तर विकास के नए युग में प्रवेश करेगा।

विकास ब्लूप्रिंट 'सैचुरेशन, कनेक्ट, फैसिलिटेट, एम्पावर और एंगेज' रणनीति पर आधारित है। इसके तहत दूरस्थ गांवों तक सड़क नेटवर्क का विस्तार किया जाएगा। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के लंबित कार्यों को 2027 तक पूरा करने के साथ 228 नई सड़कों और 267 पुलों के निर्माण का प्रस्ताव रखा गया है। इसके अलावा 61 नई परियोजनाओं के लिए विशेष केंद्रीय सहायता की मांग की गई है। ऊर्जा क्षेत्र में हर घर तक बिजली पहुंचाने का लक्ष्य तेजी से पूरा किया जा रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में 45 पोटा केबिन स्कूलों को स्थायी भवनों में परिवर्तित किया जाएगा। युवाओं के लिए 15 स्टेडियम और 2 मल्टीपर्पज हॉल के निर्माण की योजना है।

स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का विस्तार और डॉक्टरों के लिए ट्रांजिट हॉस्टल बनाए जा रहे हैं। कृषि और सिंचाई के क्षेत्र में इंद्रावती नदी पर देउरगांव और मटनार परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है, जिनसे 31,840 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा मिलेगी। इससे क्षेत्र की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है। सरकार ने आजीविका बढ़ाने के लिए तीन वर्षीय योजना भी तैयार की है, जिसके तहत 2029 तक 85 प्रतिशत परिवारों की मासिक आय 15,000 रुपये से बढ़ाकर 30,000 रुपये करने का लक्ष्य रखा गया है।

'नियद नेल्ला नार 2.0' योजना का विस्तार कर अधिक जिलों को जोड़ा जा रहा है ताकि विकास का लाभ व्यापक स्तर तक पहुंच सके। स्टार्टअप और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए 'अंजोर विजन 2047' और 'विकसित भारत@2047' के तहत 2030 तक 5,000 स्टार्टअप तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। पर्यटन क्षेत्र में चित्रकोट और तीरथगढ़ जलप्रपात, कांगेर घाटी नेशनल पार्क, कैनोपी वॉक और ग्लास ब्रिज जैसी परियोजनाओं के जरिए बस्तर को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में काम किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि एक लाख से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जिनमें से 40 हजार को रोजगार भी मिल चुका है। 'बस्तर मुन्ने' कार्यक्रम के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर शिविर लगाकर लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे उपलब्ध कराया जाएगा। प्रधानमंत्री के संभावित दौरे के दौरान रावघाट-जगदलपुर रेल लाइन, जगदलपुर एयरपोर्ट विस्तार, सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, दंतेवाड़ा मेडिकल कॉलेज और जगरगुंडा व ओरछा में एजुकेशन सिटी जैसी परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण प्रस्तावित है। इन परियोजनाओं से बस्तर को शिक्षा, स्वास्थ्य और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां मिलने की उम्मीद है।

उप्र कैबिनेट ने 22 प्रस्तावों को दी मंजूरी, शिक्षा मित्रों और अनुदेशकों को इसी माह से मिलेगा बढ़ा मानदेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार की कैबिनेट ने बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत शिक्षा मित्र और अनुदेशकों के मानदेय में 10-10 हजार रुपये की मासिक बढ़ोतरी करने की मंजूरी दे दी है। यह बढ़ा हुआ मानदेय इसी माह अप्रैल से दिया जाएगा।सरकार ने पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, रामपुर व बिजनौर के 12 हजार से अधिक विभाजन समय से विस्थापित परिवारों को भारतीय नागरिकता के लिए पात्रता के सम्बंध में प्रस्ताव सहित कुल 22 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को भी अनुमोदित कर दिया है।

मंगलवार को लोकभवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक हुई। कैबिनेट बैठक के बाद राज्य के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार संदीप सिंह और वन मंत्री अरुण सक्सेना ने लोकभवन के मीडिया सेंटर में कैबिनेट निर्णयों की जानकारी पत्रकारों को दी। मंत्री खन्ना ने बताया कि उप्र सरकार 25 लाख स्मार्ट टैबलेट खरीदेगी। इसके लिए कैबिनेट से मंजूरी मिल गयी है। यह टैबलेट उप्र में पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों को निःशुल्क वितरित किए जाएंगे। इनमें ज्यादातर अंतिम वर्ष के विद्यार्थी होंगे। इससे पहले 60 लाख स्मार्ट फोन एवं टैबलेट खरीदे जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि औद्योगिक विकास विभाग के आठ प्रस्ताव कैबिनेट में आए। सभी प्रस्तावों को अनुमोदन मिल गया है। सभी आठ प्रस्ताव निवेश से जुड़े हैं। इसमें बुंदेलखण्ड में 100 एकड़ में सोलर प्लांट स्थापित किए जाने, प्रयागराज में 231 करोड़ के निवेश से वाटर प्लांट स्थापित किए जाने, सोलर सेल निर्माण इकाई स्थापित करने संबंधी अन्य प्रस्तावों को मंजूरी शामिल है।

उत्तर प्रदेश कैबिनेट ने जनपद पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, रामपुर व बिजनौर में भारत पाकिस्तान विभाजन के समय विस्थापित होकर आए परिवारों को भारतीय नागरिकता के लिए पात्रता के सम्बंध में एक प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। इनकी संख्या लखीमपुर खीरी में 2350 परिवार, पीलीभीत में चार हजार परिवार, बिजनौर में 18 ग्रामों में 3856 परिवार और रामपुर में 16 ग्रामों में 2174 परिवारो को लाभ मिलेगा। पत्रकार वार्ता में परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि परिवहन विभाग के तीन प्रस्तावों को मंजूरी मिली है। पीपीपी मॉडल पर 49 नए बस अड्डों के सम्बंध में प्रस्ताव शामिल है। पहले फेज में पीपीपी मॉडल पर 23 बस अड्डों की एल.वाई जारी हो गई थी। आज 49 बस अड्डों की स्वीकृति मिली है। कुल मिलाकर 52 जनपदों को इससे आच्छादित किया जा रहा है। परिवहन मंत्री ने बताया कि यह पीपीपी मॉडल के बस अड्डे हवाई अड्डे की तर्ज पर होंगे। सुविधाओं को एयरपोर्ट की तर्ज पर दिया जाएगा।

चार जिलों के 12 हजार से अधिक विस्थापित परिवारों को नागरिकता पात्रता के संबंध में प्रस्ताव पारित

जनपद हाथरस में सिकन्दराराऊ कस्बे में कृषि विभाग के दो हेक्टेयर भूमि को बस अड्डा के लिए निःशुल्क प्राप्ति पर स्वीकृति मिली है। इसी प्रकार जनपद बुलंदशहर के डिबाई में सिंचाई विभाग की जमीन बस अड्डे के लिए दिए जाने के प्रस्ताव को अनुमोदन मिला है। जनपद बलरामपुर के तुलसीपुर में पीडब्ल्यूडी की भूमि को बस अड्डा निर्माण के लिए दिए जाने को स्वीकृति दी गयी। बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार संदीप सिंह ने बताया कि बेसिक शिक्षा विभाग के दो प्रस्तावों को मंजूरी मिली है। सभी अंशकालिक अनुदेशकों और शिक्षामित्रों का मानदेय आठ-आठ हजार रुपये प्रति माह के हिसाब से बढ़ाया गया है। शिक्षामित्रों का मानदेय अब 18 हजार होगा। उन्होंने बताया कि उप्र में एक लाख 42 हजार 929 शिक्षा मित्र कार्य कर रहे हैं। एक लाख 29 हजार 332 शिक्षा मित्रों का मानदेय केंद्र का अंश बढ़ाया गया है।

30 हजार के आस-पास शिक्षा मित्रों का अतिरिक्त व्यय भार भी राज्य सरकार वहन करेगी। यह बढ़ोतरी 1 अप्रैल से ही लागू होगी। प्रदेश के उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत अंशकालिक अनुदेशकों का भी बढ़ा हुआ मानदेय 1 अप्रैल से लागू होगा। प्रदेश के 13 हजार 769 विद्यालयों में अधिकतम 24 हजार 716 अनुदेशक कार्यरत हैं। अनुदेशकों को पहले नौ हजार रुपये प्रति माह मिल रहा था। अब उन्हें 17 हजार रुपये प्रति माह मिलेगा।

लापता बच्चे का शव पानी भरे गड्ढे में मिला

प्रयागराज। बारा थाना क्षेत्र के गींज पहाड़ी गांव में मंगलवार को घर से गायब बच्चे का शव पाया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। पुलिस कहना है प्रथम दृष्टया बच्चे की मृत्यु पानी में डूबने से होना प्रतीत हो रहा है। फिर भी मृत्यु का स्पष्ट कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पुलिस उपायुक्त यमुनानगर विवेक चन्द्र यादव ने बताया कि प्रयागराज के बारा थाना क्षेत्र के गींज पहाड़ी गांव निवासी कृष्ण चौधरी का 6 वर्षीय बेटा राजा बाबू सोमवार की शाम घर के खेलने के लिए गया और वापस नहीं लौटा। देर होती देख बच्चे की मां शीला और परिवार के अन्य सदस्य खोजबीन करने लगे। लेकिन राजा बाबू का पता नहीं चल पाया। मंगलवार की सुबह घर से लगभग सौ मीटर दूर स्थित पानी युक्त गड्ढे में राजा बाबू का शव दिखाई दिया। यह देखते ही परिवार के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। प्रथम दृष्टया उसकी मृत्यु का कारण पानी में डूबने से हुई है ऐसा प्रतीत हो रहा है। फिर भी मृत्यु का स्पष्ट कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

दो मोटरसाइकिलों में आमने-सामने की टक्कर में तीन लोगों की मौत

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी जिले के भीरा क्षेत्र में लखीमपुर-भीरा राजमार्ग पर दो मोटरसाइकिलों की जबरदस्त टक्कर में तीन लोगों की मृत्यु हो गई तथा एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि भीरा थाना क्षेत्र में लखीमपुर-भीरा राजमार्ग पर मूसेपुर पी. के. इंटर कॉलेज के नजदीक सोमवार रात दो मोटरसाइकिलों में आमने-सामने की जबरदस्त टक्कर हो गई।

उन्होंने बताया कि इस घटना में अमरीश गौतम (20), तौहीद (20) और अरबाज (16) की मृत्यु हो गई जबकि पवन नामक युवक को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों ने बताया कि अमरीश और पवन एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर अपने घर जा रहे थे, लेकिन रास्ते में मूसेपुर इंटर कॉलेज के मोड़ पर उनकी मोटरसाइकिल की टक्कर तौहीद और अरबाज की मोटरसाइकिल से हो गई। उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल चारों लोगों को स्थानीय निवासी पास के ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ले गए जहां चिकित्सकों ने अमरीश, तौहीद और अरबाज को मृत घोषित कर दिया जबकि पवन को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने दुर्घटना में मृत लोगों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे हैं।

धर्म के लिए लड़ने वाला कभी नहीं मरता, संतत्व से सीख लेकर अध्यात्म के आधार पर भारत बनेगा विश्व गुरु: मोहन भागवत

मथुरा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने धर्म के लिए लड़ने वाला कभी मरता नहीं है। अधर्मी को मार देता है और अपनी सत्ता वापस लेता है। अब समय आ गया है कि भारत विश्व गुरु बनेगा और विश्व को नई सुखी और सुंदर दुनिया के बनाएगा। इसके लिए संतों से संतत्व से सीख लेकर उनकी प्रेरणा और अध्यात्म के आधार पर भारत विश्व गुरु बनेगा। इसके लिए संघ संतों के साथ मिलकर प्रयास करेगा। हम अपने अंदर का भाव बदलें, देश खुद ही बदल जाएगा।

संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत मंगलवार को वृंदावन स्थित मलूकपीठ आश्रम में संत मलूकदास महाराज के 452वें जयंती महोत्सव का योग गुरु बाबा रामदेव के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ करने के बाद संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने संत शिरोमणि मलूकदास महाराज की समाधि पर पूजा-अर्चना की और वहां की पवित्र रज को माथे से लगाया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी जगद्गुरु संत मलूकदास की 452वीं जयंती महोत्सव में शाम के समय शामिल हुए। डॉ भागवत ने कहा कि हम जगद्गुरु मलूकदास का 452वां जयंती उत्सव मना रहे हैं। हमारे सामने उनका जीवन एक प्रेरणा के समान है। उन्होंने अपने जीवन से हमें संदेश दिया। संत हमारे सामने सशरीर दिखाई देते हैं, लेकिन संत हमारे कल्याण के लिए जीवन जीते हैं। संत हमेशा से धर्म के लिए लड़े और मरे भी हैं। डॉ भागवत ने कहा कि धर्म के लिए लड़ने वाला कभी मरता नहीं है। अधर्मी को मार देता है और अपनी सत्ता वापस लेता है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि भारत विश्व गुरु बनेगा और विश्व को नई सुखी और सुंदर दुनिया के बनाएगा। इसके लिए संतों से संतत्व से सीख लेकर उनकी प्रेरणा और अध्यात्म के आधार पर भारत विश्व गुरु बनेगा। इसके लिए संघ संतों के साथ मिलकर प्रयास करेगा। उन्होंने कहा कि भारत वर्ष सबको प्रकाशित करे, इसकी आवश्यकता है। अपनी आध्यात्मिक परंपरा के आधार पर रीति और नीति ऐसी होनी चाहिए। सत्य के आधार पर जीवन खड़ा होने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि सत्य, करुणा के बिना धर्म नहीं हो सकता। सबको मिलकर रहना चाहिए। करुणा जीवन में तब आती है, जब सबका दुख अपना दुख लगता है। देश के 142 करोड़ लोग संतत्व को प्राप्त होगा यह संभव नहीं है, लेकिन सभी का सुचिता पूर्ण जीवन हो इसके लिए प्रयास करना है। डॉ भागवत ने कहा कि हम जगद्गुरु मलूकदास का 452वां जयंती उत्सव मना रहे हैं। हमारे सामने उनका जीवन एक प्रेरणा के समान है। उन्होंने अपने जीवन से हमें संदेश दिया। संत हमारे सामने सशरीर दिखाई देते हैं, लेकिन संत हमारे कल्याण के लिए जीवन जीते हैं। संत हमेशा से धर्म के लिए लड़े और मरे भी हैं। डॉ भागवत ने कहा कि धर्म के लिए लड़ने वाला कभी मरता नहीं है।

फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने के आरोप में 12 कर्मचारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में कथित तौर पर 14 लाभार्थियों के फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने और बिना परीक्षण उसे वेबसाइट पर अपलोड करने वाले 12 कर्मचारियों के विरुद्ध पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) देवेंद्र कुमार ने दर्ज कराई गई प्राथमिकी के हवाले से बताया कि जिले के ही रहने वाले एक व्यक्ति ने इस मामले में शिकायत की थी। मामले की जांच कराई गई तो पता चला कि 14 दिव्यांग प्रमाण पत्र फर्जी जारी कर दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि संबंधित लाभार्थी ना तो दिव्यांग हैं और ना ही दिव्यांग बोर्ड के सामने पेश हुए, और ना ही इन्होंने कोई परीक्षण कराया है। उन्होंने बताया कि ऐसे 14 लोगों का विवरण सरकारी साइट पर अपलोड कर दिया गया। बाद में इन्होंने अपना दिव्यांग परिचय पत्र भी वहीं से निकलवा लिया, जिससे वे सभी, दिव्यांगों को मिलने वाली सुविधाओं का लाभ लेने लगे। कुमार ने बताया कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के प्रशासनिक अधिकारी रामकिशोर ने दिव्यांग विभाग के आरके मिश्रा, संतोष, रोहित और अर्जुन समेत 12 लोगों के विरुद्ध धोखाधड़ी तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज करा दी है।

एएसपी ने बताया कि कोतवाली में ही स्वास्थ्य विभाग से जुड़े एक अन्य मामले में 12 सेवानिवृत्ति स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है, जिसमें कर्मचारियों ने चिकित्सा प्रतिपूर्ति के नाम पर लगभग 30 लाख रुपये चिकित्सा प्रतिपूर्ति के फर्जी अस्पतालों के बिल लगाकर निकाल लिए जाने का आरोप है। पुलिस ने दोनों मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

देवबलहारी और सुहानी ने जीती विवेक मैराथन दौड़ प्रतियोगिता

बिजनौर। विवेक विश्वविद्यालय द्वारा विश्व स्वास्थ्य दिवस पर मंगलवार को मैराथन दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें पुरुष वर्ग मे देव बलहारी तथा महिला वर्ग में सुहानी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर पुरुष वर्ग में सनी कुमार तथा महिला वर्ग में सानिया रही तथा तृतीय स्थान पर पुरुष वर्ग में अभिषेक एवं महिला वर्ग मे मेघा रहीं।

इसके अलावा प्रथम 40 प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार से नवाजा गया। मैराथन मे प्रथम पुरस्कार ग्यारह हजार रुपये द्वितीय पुरस्कार 5100 रुपये तथा तृतीय पुरस्कार 2100 रुपये महिला व पुरुष दोनों वर्गो को अलग अलग दिये गये। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

मैराथन का शुभारम्भ प्रातः 7 बजे नेहरु स्टेडियम से मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी बिजनौर डा कौशलेन्द्र, जिला क्रीडा अधिकारी राजकुमार, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति अमित गोयल, प्रति कुलाधिपति दीपक मित्तल, कुलपति एन.के.गुप्ता, सीईओ अनिल शर्मा द्वारा हरी झंडी दिखाकर शुभारम्भ किया । पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि चंदवाहिनी चौधरी ने छात्र/छात्राओं को संबोधित किया।

नेपाल सीमा से भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने के दोषी दो ब्रिटिश नागरिकों को जेल की सजा

बहराइच। जिले की एक अदालत ने नेपाल से अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के दोषी दो ब्रिटिश नागरिकों को छह महीने की कैद की सजा सुनाई है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अभियोजन अधिकारी निर्मल यादव ने मंगलवार को बताया कि सोमवार को बहराइच की मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रतिभा चौधरी ने ब्रिटिश नागरिक हसन अम्मान सलीम (35) और सुमित्रा शकील ओलीविया (61) को छह-छह माह के कारावास और 50-50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

पिछले साल नवंबर में भारत-नेपाल सीमा पर रूपईडीहा से उन्हें वैध दस्तावेजों के बिना भारत में प्रवेश करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने बताया कि सजा सुनाए जाने के बाद अदालत ने उन्हें अपील की अवधि तक के लिए देश ना छोड़ने की शर्त पर जमानत दे दी है। यादव ने बताया कि सलीम का पुश्तैनी निवास पाकिस्तान के गुजरांवाला में है और वर्तमान में वह ब्रिटेन के मैनचेस्टर का नागरिक है और वहां की डी मोंटफोर्ट यूनिवर्सिटी में ऑडियोलॉजी का व्याख्याता है। उन्होंने बताया कि उसकी सहयोगी सुमित्रा शकील ओलीविया मूल रूप से कर्नाटक में उडुपी की रहने वाली है लेकिन बाद में उसने ब्रिटिश नागरिकता ले ली थी। यादव ने बताया कि पिछले साल नवंबर में दोनों ब्रिटेन से नेपालगंज के एक मेडिकल कालेज में सुनने में असमर्थ बच्चों के लिए आयोजित एक चैरिटी कार्यक्रम में हिस्सा लेने आये थे और उनके पास नेपाल का वीजा था। उन्होंने बताया कि 15 नवंबर 2025 को सशस्त्र सीमा बल के जवानों व पुलिस ने भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर जांच के दौरान नेपाल से भारत में दाखिल होने की कोशिश के दौरान दोनों को रोका था, उनके पास भारत में दाखिल होने के वैध दस्तावेज नहीं मिले थे। यादव ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों ने पूछताछ के बाद उन्हें आव्रजन एवं विदेशी अधिनियम की धारा 21 के तहत गिरफ्तार कर लिया था लेकिन कुछ दिन जेल में रहने के बाद अदालत ने उन्हें देश ना छोड़ने की शर्त पर जमानत पर रिहा किया था और तब से दोनों भारत में रहकर लगातार अदालत की तारीखों पर हाजिर हो रहे थे।

उन्होंने बताया अदालत में प्रतिदिन त्वरित गति से सुनवाई हो रही थी, इसलिए जमानत पर रिहा होने के बाद अधिकांश समय वह बहराइच के होटलों में रहे थे। यादव ने बताया कि मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रतिभा चौधरी की अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों और परिस्थितियों के आधार पर दोनों को दोषी मानते हुए यह सजा सुनाई है।

जेल मे बंदी की फांसी के फंदे पर मिली लाश

सुलतानपुर। जिला जेल में पत्नी की हत्या के आरोपित बंदी का शव जेल के बैरक में शौचालय के अंदर प्लास्टिक की रस्सी से लटका मिला। जेल कमांडेंट प्रांजल अरविंद ने मंगलवार को बताया कि मृतक बंदी नक्छेद 25 मार्च से कारागार में निरुद्ध था। बीती रात्रि करीब डेढ़ बजे शौचालय में उसका शव प्लास्टिक की रस्सी से लटका हुआ पाया गया। धनपतगंज के चरथई निवासी नक्छेद (45) को अपनी पत्नी कुसुम के हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उसे 25 मार्च को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया था। नक्छेद गांव में लिंटर डालने का काम कर रहा था, जब उसने अपनी पत्नी कुसुम को फोन किया। कुसुम के फोन न उठा पाने पर नक्छेद नाराज हो गया। रात करीब 12 बजे घर लौटने पर उसने पत्नी कुसुम को पीटना शुरू कर दिया। उनके दो छोटे बच्चे, उदयभान (9) और दीक्षा (8), जब अपनी मां को बचाने आए, तो नक्छेद ने उन्हें भी धक्का दे दिया। उसने बच्चों के सामने ही कुसुम को डंडे से पीटा। गंभीर रूप से घायल कुसुम को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एसएचओ अंजू मिश्र ने हत्यारोपित पति नक्छेद को गिरफ्तार किया था। सीजेएम नवनीत सिंह के आदेश पर उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया था।

बंद मकान से 25 लाख की चोरी

मीरजापुर। जिले के जिगना थाना क्षेत्र स्थित दुगौली गांव में बंद पड़े मकान को निशाना बनाकर चोरों ने लाखों की चोरी कर ली। बदमाशों ने पांच कमरों के ताले तोड़कर जेवरात, नकदी समेत करीब 25 लाख रुपये का माल पार कर दिया। मकान मालिक शेषधर पांडेय कोलकाता में नौकरी करते हैं। उनका परिवार भी बाहर रहता है, जिससे मकान लंबे समय से बंद था। मंगलवार दोपहर करीब एक बजे गांव के सूर्यमणि नामक व्यक्ति पानी पीने के लिए घर के बाहर रुका तो मुख्य गेट खुला देखकर उसे शक हुआ। शोर मचाने पर आसपास के लोग जुटे और अंदर जाकर देखा तो घर के सभी कमरों के ताले टूटे पड़े थे। सूचना मिलते ही पीआरवी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मकान मालिक के अनुसार चोर उनकी पत्नी के जेवरात, करीब दो लाख रुपये नकद, चांदी के सिक्के और एक बड़ा स्टील का संदूक उठा ले गए। आलमारी, लाकर और अन्य संदूकों को भी तोड़कर खंगाल दिया गया। घटना की सूचना पर मकान मालिक की पत्नी व बेटा गांव पहुंचे। बेटे रौनक उर्फ सौरभ ने थाने में तहरीर दी है। थाना प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

लाल निशान मिटाने वालों दुकानदारों पर सख्ती बुलडोजर चलाकर कोहाड़ापीर में अवैध दुकानें ध्वस्त

बरेली। कोहाड़ापीर इलाके में मंगलवार को नगर निगम का बुलडोजर अवैध अतिक्रमण पर चला और पेट्रोल पंप के सामने बनी कई अवैध दुकानों को ध्वस्त कर दिया गया। कार्रवाई शुरू होते ही इलाके में अफरातफरी मच गई और दुकानदारों में हड़कंप मच गया। नगर निगम ने पहले से ही सड़क किनारे बने अवैध निर्माणों को चिह्नित कर उन पर लाल निशान लगाए थे।

आरोप है कि कुछ दुकानदारों ने इन निशानों को मिटा दिया था। इसे गंभीर मानते हुए निगम अधिकारियों ने सबसे पहले उन्हीं दुकानों पर कार्रवाई की। दो बुलडोजरों की मदद से कुछ ही देर में कई अवैध निर्माण जमींदोज कर दिए गए। नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि सरकारी निशान मिटाना या उनसे छेड़छाड़ करना गंभीर मामला है और ऐसा करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने साफ किया कि अतिक्रमण हटाने का अभियान अब लगातार जारी रहेगा। यह कार्रवाई मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट स्कीम के दूसरे चरण के तहत की जा रही है। योजना के अंतर्गत कोहाड़ापीर से कुदेशिया मार्ग और धर्मकांटा से कोहाड़ापीर तक सड़क चौड़ीकरण होना है। इसके लिए करीब 50 से 55 अतिक्रमण चिह्नित किए गए हैं। मंगलवार को मजार के पास बनी अवैध दुकानों को हटाकर अभियान की शुरुआत की गई। कार्रवाई के दौरान किसी तरह का विरोध न हो, इसके लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। प्रशासन और नगर निगम की संयुक्त मौजूदगी में ध्वस्तीकरण शांतिपूर्ण ढंग से पूरा कराया गया। नगर निगम के एक्सईएन राजीव कुमार राठी ने बताया कि सड़क चौड़ी होने से ट्रैफिक व्यवस्था बेहतर होगी और जाम की समस्या में काफी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में शहर के अन्य हिस्सों में भी अतिक्रमण के खिलाफ अभियान तेज किया जाएगा।

संदिग्ध अवस्था में गांव के कुएं से मिला छात्रा का शव

झांसी। जनपद के उल्दन इलाके में रहने वाली एक स्कूली छात्रा का शव मंगलवार सुबह संदिग्ध अवस्था में गांव के कुएं से मिला है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घर से कोचिंग के लिए निकली छात्रा पिछले बृहस्पतिवार से गायब थी। उन्होंने बताया कि परिजनों द्वारा किशोरी के साथ कुछ अनहोनी की आशंका व्यक्त की गई है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

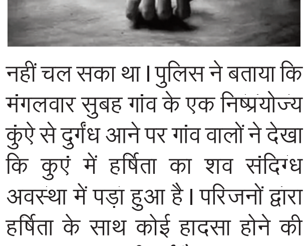

पुलिस के मुताबिक उल्दन थाना क्षेत्र के निमोनी गांव निवासी सुरेश आर्य की करीब 17 वर्षीय पुत्री हर्षिता दो अप्रैल की सुबह घर से कोचिंग के लिए निकली थी, दोपहर करीब बारह बजे परिजनों से उसकी बात भी हुई लेकिन उसके बाद छात्रा का मोबाइल बंद बताने लगा। परिजनों द्वारा खोजबीन के साथ हर्षिता के गुम होने की सूचना थाने को भी दी गई थी चार-पांच दिन की खोजबीन के बाद भी उसका कुछ पता नहीं चल सका था। पुलिस ने बताया कि मंगलवार सुबह गांव के एक निष्प्रयोज्य कुंऐ से दुर्गंध आने पर गांव वालों ने देखा कि कुएं में हर्षिता का शव संदिग्ध अवस्था में पड़ा हुआ है। परिजनों द्वारा हर्षिता के साथ कोई हादसा होने की आशंका व्यक्त की गई है।

इस संबंध में पुलिस अधीक्षक प्रीति सिंह ने बताया कि संदिग्ध स्थिति में मिले छात्रा के शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है, उसके बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। उन्होंने बताया कि फिलहाल परिजनों की शिकायत पर कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

सरकारी गेहूँ खरीद केंद्र के प्रभारी को निलंबित करने की सिफारिश

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिला प्रशासन ने सरकारी गेहूं खरीद केंद्र के बाहर से गेहूं खरीदे जाने के बाद यहां के एक सरकारी खरीद केंद्र के प्रभारी को निलंबित करने की सिफारिश की है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) रजनीश कुमार मिश्रा ने मंगलवार को पीटीआई-भाषा को बताया कि शहर में स्थित 'मंडी परिसर' के भीतर एक गेहूं खरीद केंद्र स्थापित किया गया है। मिश्रा ने बताया कि सोमवार देर रात, ददरौल विधानसभा क्षेत्र (शाहजहांपुर जिले में) के भाजपा विधायक अरविंद कुमार सिंह ने वहां का दौरा किया और देखा कि खरीद केंद्र वीरान पड़ा था, जबकि परिसर के बाहर गेहूं की खरीद बिक्री की जा रही थी। मिश्रा ने कहा कि जैसे ही उन्हें सूचना मिली, वह मौके पर पहुंचे और निर्धारित केंद्र के बाहर गेहूं की खरीद देखी। उन्होंने वहां से 180 क्विंटल गेहूं बरामद किया, जबकि अनाज की पैकेजिंग के लिए सरकार द्वारा जारी बैग का उपयोग किया जा रहा था। एडीएम (प्रशासन) ने आगे बताया कि घटना के संबंध में एक व्यापक जांच रिपोर्ट जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह को सौंप दी गई है । उन्होंने बताया कि इस रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए जिलाधिकारी ने गेहूं खरीद केंद्र के प्रभारी त्रिपुरेश त्रिपाठी को निलंबित करने की सिफारिश की है । एक स्थानीय व्यापारी ने नाम न छापने का अनुरोध करते हुए कहा कि गेहूं के लिए सरकार द्वारा निर्धारित खरीद मूल्य 2,585 रुपये प्रति क्विंटल है, जबकि खुले बाजार में गेहूं वर्तमान में 2,270 रुपये पर उपलब्ध है।

गुजरात टाइटंस के खिलाफ दिल्ली के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर रहेगी नजर

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स को अगर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी मजबूती बनाए रखना है तो बुधवार को यहां होने वाले मैच में गुजरात टाइटंस की लड़खड़ाती टीम के खिलाफ केएल राहुल की अगुवाई वाले उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। दिल्ली कैपिटल्स ने गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे वह पिछले कुछ मैच जीतने में सफल रही। बल्लेबाजी में उसकी तरफ से 22 वर्षीय समीर रिजवी ने अधिक जिम्मा संभाला है। इस युवा बल्लेबाज ने अपने धैर्य और कौशल का शानदार नमूना पेश करके प्रभावित किया है।

अगर राहुल और शीर्ष क्रम के अन्य बल्लेबाज लय में आ जाते हैं, तो दिल्ली कैपिटल्स और भी मजबूत टीम बन जाएगी। राहुल अपनी शुरुआती दो पारियों में जिस तरह से आउट हुए हैं, उसके लिए उन्हें दोषी नहीं ठहराया जा सकता और वह किसी भी समय बड़ी पारी खेल सकते हैं। तीसरे नंबर पर हालांकि नीतीश राणा असफल रहे हैं और लग रहा है कि वह इस नंबर पर ज्यादा दबाव महसूस कर रहे हैं। श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका ने यहां पिछले मैच में अपनी लय हासिल कर ली थी, जिससे उन्हें पावरप्ले में गुजरात टाइटन्स के तेज गेंदबाजों कैगिसो रबाडा और मोहम्मद सिराज की जोड़ी का सामना करने के लिए जरूरी आत्मविश्वास मिलेगा। आईपीएल में लगातार तीसरा अर्धशतक (एक अर्धशतक पिछले सत्र के अपने आखिरी मैच में लगाया था) लगाने वाले रिजवी आक्रामक फॉर्म में हैं। उनमें स्पिनरों की जमकर धुनाई करने की क्षमता तो पहले से थी ही, लेकिन अब वह तेज गेंदबाजों को भी नहीं बख्श रहे हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफ पिछले मैच में उन्होंने पारी के शुरू में संयमित रवैया अपनाया लेकिन बाद में उन्होंने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करके अपनी टीम को आसान जीत दिलाई।

दिल्ली की तरफ से गेंदबाजों में मुकेश कुमार ने अब तक शानदार प्रदर्शन किया है, वहीं कप्तान अक्षर पटेल पावरप्ले और बीच के ओवरों दोनों में प्रभावी रहे हैं। लुंगी एनगिडी ने दिल्ली की गेंदबाजी इकाई को मजबूती प्रदान की है, जिसमें टी नटराजन और कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव भी शामिल हैं। इसके विपरीत गुजरात टाइटन्स एक ऐसी टीम है जो दोनों विभाग में लड़खड़ा रही है। गुजरात टाइटन्स अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर जरूर से ज्यादा निर्भर नजर आ रही है और उसका मध्यक्रम नहीं चल पा रहा है। गुजरात टाइटन्स को अपने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 205 रन का लक्ष्य से हासिल कर लेना चाहिए था, लेकिन सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन से मिली अच्छी शुरुआत का मध्यक्रम के बल्लेबाज फायदा नहीं उठा सके। ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर और राहुल तेवतिया जैसे मध्यक्रम के बल्लेबाजों को दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने की जरूरत है। कप्तान शुभमन गिल मांसपेशियों में खिंचाव के कारण पिछला मैच नहीं खेल पाए थे, लेकिन कार्यवाहक कप्तान राशिद खान ने कहा कि दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच के लिए वह पूरी तरह से फिट हो जाएंगे।

गुजरात टाइटन्स की टीम अपने पहले दो मैच हार गई है और इनमें उसके गेंदबाजों का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा। सिराज और रबाडा दोनों ही थोड़े महंगे साबित हुए हैं, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रख पाए हैं। गुजरात टाइटन्स के लिए सकारात्मक बात यह है कि राशिद ने प्रतियोगिता की शुरुआत में ही अपनी लय पा ली है।

गुजरात के सबसे प्रभावशाली गेंदबाज 23 वर्षीय तेज गेंदबाज अशोक शर्मा रहे हैं। कोटला की पिच पर आमतौर पर खूब रन बनते हैं, लेकिन पिछले सप्ताह दोपहर के मैच में ऐसा नहीं हुआ और मुंबई इंडियंस की टीम केवल 162 रन ही बना पाई। यह देखना बाकी है कि यहां की पिच अप्रैल में शाम के सत्र में होने वाले मैच में कैसा व्यवहार करती है।

इस प्रकार हैं दोनों टीम

- **दिल्ली कैपिटल्स:** अक्षर पटेल (कप्तान), अभिषेक पोरेल, करुण नायर, केएल राहुल, नितीश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, माधव तिवारी, दुष्मंथा चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, बेन डकेट, औकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, टी नटराजन, अजय जादव मंडल, साहिल पारख।
- **गुजरात टाइटंस:** शुभमन गिल (कप्तान), अनुज रावत, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, शाहरुख खान, ग्लेन फिलिप्स, राशिद खान, मानव सुथार, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, वॉशिंगटन सुंदर, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कैगिसो रबाडा, रविश्रीनिवासन साई किशोर, जयंत यादव, ईशांत शर्मा, अशोक शर्मा, जेसन होल्डर, टॉम बैंटन, पृथ्वी राज येरा, ल्यूक वुड, साई सुदर्शन, अरशद खान।

मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

भारत की अंडर17 महिला फुटबॉल टीम रूस के खिलाफ सोची में तीन मैत्री मैच खेलेगी

नई दिल्ली। भारत की अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम रूस के खिलाफ 11 से 17 अप्रैल तक सोची में तीन मैत्री मैच खेलेगी। भारतीय टीम की मुख्य कोच पामेला कोंटी ने इस दौरे के लिए 23 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। यह मैच 11, 14 और 17 अप्रैल को सोची के मात्सेस्टा फुटबॉल सेंटर में खेले जाएंगे। इस साल चीन में होने वाले एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप की तैयारी कर रही भारतीय टीम सोमवार देर रात सोची पहुंची।

भारतीय महिला टीम पिछले महीने यांगून गई थी जहां उसने मेजबान टीम के खिलाफ दो मैत्री मैच खेले। इन दोनों मैच में उसने जीत (2-0 और 3-2) हासिल की थी। इसके बाद भारतीय टीम ने बेंगलुरु में अभ्यास शिविर में हिस्सा लिया था। सूज़ौ में होने वाले एशियाई कप में भारत को ग्रुप बी में रखा गया है जहां उसका सामना ऑस्ट्रेलिया (दो मई), जापान (पांच मई) और लेबनान (आठ मई) से होगा। सभी मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 2:30 बजे शुरू होंगे।

अंडर-17 महिला टीम

- गोलकीपर: मुन्नी, सूरजमुनी कुमारी, तम्फसाना देवी कोन्जेंगबाम।
- डिफेंडर: अलीना देवी सारंगथेम, अलीशा लिंगदोह, दिव्यानी लिंडा, एलिजाबेद लाकड़ा, जॉयशिनी चानू हुइड्रोम, रितु बड़ाईक, तानिया देवी टोनंबम।
- मिडफील्डर: अभिस्ता बासनेट, अल्वा देवी , बोनिफिलिया शुल्लई, जुलान नोंगमैथेम, प्रितिका बर्मन, रेडिमा देवी चिंगखामायूम, थंडामोनी बास्की।
- फॉरवर्ड: अनुष्का कुमारी, अनविता रघुरामन, जोया, ओलिविया चानू निंगथौजम, पर्ल फर्नांडीस, वैलैना फर्नांडीस।

मैच कार्यक्रम

- 11 अप्रैल: रूस बनाम भारत (दोपहर 2:30 बजे)
- 14 अप्रैल: रूस बनाम भारत (दोपहर 2:30 बजे)
- 17 अप्रैल: रूस बनाम भारत (दोपहर 2:30 बजे)

आत्मघाती गोल से गिरोना ने विलारियाल को हराया

गिरोना (स्पेन)। विलारियाल को आत्मघाती गोल के कारण गिरोना से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा जिससे स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में तीसरे नंबर पर अपनी स्थिति मजबूत करने की उसकी उम्मीदों को करारा झटका लगा। विलारियाल अगर इस मैच में जीत जाता तो वह चौथे स्थान पर काबिज एटलेटिको मैड्रिड से चार अंक आगे हो जाता।

एटलेटिको मैड्रिड को बार्सिलोना से अपने घरेलू मैदान पर हार का सामना करना पड़ा था। पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में अर्नाउ के क्रॉस का शॉट पाउ नवारो पर लगा और गेंद उनके ही गोलकीपर को चकमा देते हुए गोल में चली गई। विलारियल 30 मैच में 58 अंक लेकर तीसरे स्थान पर बना हुआ है। वह दूसरे नंबर पर काबिज रियाल मैड्रिड (69) से नौ अंक और शीर्ष पर स्थित बार्सिलोना (76) से 18 अंक पीछे है। गिरोना 37 अंक के साथ दो पायदान ऊपर चढ़कर 12वें स्थान पर पहुंच गया है। वह ओसासुना, एस्पेनयोल और एथलेटिक बिलबाओ से एक अंक पीछे है।

एसी मिलान को हराकर नेपोली ने खिताब की उम्मीदें जीवंत रखी

तूरिन (इटली)। स्थानापन्न खिलाड़ी मैटियो पोलिटानो के 79वें मिनट में किए गए गोल की मदद से नेपोली ने एसी मिलान को 1-0 से हराकर इटालियन फुटबॉल लीग सीरी ए में खिताब जीतने की अपनी उम्मीदों को बरकरार रखा। नेपोली इस मैच से पहले एसी मिलान से एक अंक और शीर्ष पर काबिज इंटर मिलान से 10 अंक पीछे तीसरे स्थानर पर था। इन दोनों क्लब के लिए खिताब की उम्मीदों को जीवंत रखने के लिए इस मैच में जीत जरूरी थी। मैच में हालांकि गोल करने की बहुत कम मौके बने और ऐसे में पांच मिनट पहले स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरने वाले पोलिटानो का गोल निर्णायक साबित हुआ। इस जीत से नेपोली के 31 मैच में 65 अंक हो गए हैं जबकि एसी मिलान के इतने ही मैच में 63 अंक हैं। इंटर मिलान 31 मैच में 72 अंक लेकर अब भी खिताब की दौड़ में सबसे आगे बना हुआ है। एक अन्य मैच में युवेंटस ने जेनोआ को 2-0 से हराया। इस जीत से युवेंटस ने चौथे स्थान पर काबिज कोमो से अंतर को घटाकर एक अंक कर दिया। कोमो को उडिनीस ने गोलरहित से ड्रॉ पर रोका।

अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी भारतीय महिला हॉकी टीम, खेलेगी चार मैचों की सीरीज

नई दिल्ली। भारतीय सीनियर महिला हॉकी टीम इस महीने चार मैचों की सीरीज के लिए अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी। यह सीरीज 13 से 17 अप्रैल के बीच ब्यूनस आयर्स स्थित सिनार्ड में खेली जाएगी। इस सीरीज में भारत अपने घरेलू मैदान पर मजबूत दक्षिण अमेरिकी टीम अर्जेंटीना से भिड़ेगा, जिससे मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। मैच 13, 14, 16 और 17 अप्रैल को खेले जाएंगे, जिनका समय स्थानीय समयानुसार सुबह 11:00 बजे (भारतीय समयानुसार शाम 6:30 बजे) रहेगा।

भारत और अर्जेंटीना के बीच पिछले कुछ वर्षों में कड़े मुकाबले देखने को मिले हैं, जिसमें पिछले साल जून में एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के दौरान 2-2 से ड्रॉ मुकाबला भी शामिल है, जिसका फैसला शूटआउट से हुआ था। यह दौरा भारत के लिए उच्च स्तर की अंतरराष्ट्रीय टीम के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच अभ्यास का अवसर प्रदान करेगा और हॉकी इंडिया की रणनीतिक योजना के अनुरूप टीम को 2026 के एफआईएच हॉकी विश्व कप (बेल्जियम और नीदरलैंड) और इस साल होने वाले एशियाई खेलों से पहले लय हासिल करने में मदद करेगा।

यह सीरीज भारत के लिए काफी अहम तैयारी साबित होगी, जिसमें टीम को चार तेज-तर्रार मैच खेलने का मौका मिलेगा। साथ ही, कोचिंग स्टाफ को खिलाड़ियों के विभिन्न संयोजन और रणनीतियों को आजमाने का अवसर भी मिलेगा, क्योंकि टीम अपने कैलेंडर के महत्वपूर्ण दौर में प्रवेश कर रही है। दौरे को लेकर भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच श्योर्ड मारिन ने कहा, "हम 24 खिलाड़ियों के दल के साथ अर्जेंटीना जा रहे हैं और यह एक सोचा-समझा फैसला है। इस दौरे का मकसद ज्यादा खिलाड़ियों को उच्च स्तर पर प्रदर्शन का मौका देना है।

अर्जेंटीना दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक है और वहां का माहौल हमें बताएगा कि हर खिलाड़ी किस स्तर पर खड़ा है। हम देखना चाहते हैं कि दबाव के समय कौन खिलाड़ी आगे आता है।" उन्होंने आगे कहा, "इस टीम में जगह बनाने के लिए सबसे पहले एक टीम खिलाड़ी होना जरूरी है। व्यक्तिगत क्षमता महत्वपूर्ण है, लेकिन यदि आप टीम के साथ तालमेल नहीं बैठा सकते और एक-दूसरे के लिए काम नहीं कर सकते, तो इस टीम में जगह बनाना मुश्किल होगा।"

फीफा वर्ल्ड कप से पहले कोलंबिया को राहत: जेम्स रोड्रिगेज ट्रेनिंग पर लौटे

लॉस एंजेलिस/मिनेसोटा। कोलंबिया के स्टार फुटबॉलर जेम्स रोड्रिगेज से जुड़ी स्वास्थ्य चिंताओं के बीच राहत भरी खबर सामने आई है। गंभीर डिहाइड्रेशन के चलते अस्पताल में भर्ती रहने के बाद वह अब अपने क्लब मिनेसोटा यूनाइटेड के साथ ट्रेनिंग पर लौट आए हैं। 34 वर्षीय रोड्रिगेज पिछले सप्ताह तीन दिन तक अस्पताल में भर्ती रहे थे। उन्हें 29 मार्च को फ्रांस के खिलाफ खेले गए मैच के बाद तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल ले जाया गया था, जहां जांच में गंभीर डिहाइड्रेशन की पुष्टि हुई। शुरुआत में अमेरिकी मीडिया में उनकी स्थिति को लेकर गंभीर बीमारी की आशंका जताई गई थी, लेकिन मिनेसोटा यूनाइटेड ने इन खबरों का खंडन किया। क्लब ने स्पष्ट किया कि मेडिकल जांच में ऐसी किसी गंभीर बीमारी के कोई प्रमाण नहीं मिले हैं।

देश को संपूर्ण खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की जरूरत : शिवराज सिंह

जयपुर। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खाद्य सुरक्षा को महत्वपूर्ण बताते हुए मंगलवार को देश की संपूर्ण खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने फसलों का उत्पादन व उत्पादकता बढ़ाने, उत्पादन लागत कम करने और किसानों के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करने का आह्वान किया। वह यहां पश्चिमी राज्यों के लिए क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। चौहान ने कहा, ''देश की खाद्य सुरक्षा हमको सुनिश्चित करनी है।

140 करोड़ भारतीय हैं उनके लिए पर्याप्त खाद्यान्न चाहिए। उनके लिए अनाज, फल, सब्जियां, तिलहन, दलहन व दूध भी...सब चाहिए।'' उन्होंने कहा,''... क्योंकि आज के युग में हम किसी पर भी निर्भर नहीं रह सकते। प्रधानमंत्री का संकल्प है आत्मनिर्भर भारत। आज तो दुनिया की परिस्थितियां ऐसी हैं कि भोजन के लिए निर्भरता कदापि मंजूर नहीं है। हमें आत्मनिर्भर होना चाहिए।'' केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि मुझको खुशी है कि गेहूं हो, चावल हो ..अन्न के तो हमारे भंडार भरे हैं। हालत यह है कि गेहूं व चावल में तो हमें विचार यह करना पड़ता है कि उसे रखे कहां? रखने की जगह नहीं है। तो हमने प्रगति बहुत की है लेकिन दलहन की कमी है। इसका हमें आयात करना पड़ता है। तेल का भी आयात करना पड़ता है। उन्होंने कहा, ''अगर खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करनी है तो दलहन में भी हमको आत्मनिर्भर होना है। तिलहन में भी आत्मनिर्भर होना है। कोई भी चीज ऐसी न हो जो हमें बाहर से मंगानी हो। संपूर्ण खाद्य सुरक्षा हमको सुनिश्चित करनी है।'' उन्होंने कहा कि भारत अपनी आवश्यकता अपने किसानों से अपने देश में पूरी करेगा और केवल इतना ही नहीं प्रधानमंत्री का कहना है कि भारत विश्वबंधु भी है इसलिए हम दुनिया की जरूरत को पूरा करेंगे।

कोरोना के समय में भी हमने पूरा किया और अब संकट के समय भी भारत दुनिया को खाद्यान्न आपूर्ति की क्षमता रखता है। किसानों की आय बढ़ाने की बात करते हुए चौहान ने कहा, ''किसानों की आय बढ़ानी है, उनके जीवन स्तर को उठाना है और उनकी जिंदगी को भी आसान बनाना है। कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ और किसान उसकी आत्मा है। कृषि मंत्री के नाते मैं मानता हूं कि किसानों की सेवा हमारे लिए भगवान की पूजा है। किसानों की आय हम कैसे बढ़ा सकें इस दिशा में हमें कदम उठाने हैं।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसानों की आय बढ़ाने और आने वाली पीढ़ियों के लिए मिट्टी को स्वस्थ रखने को कृषि के विविधीकरण, नई वैज्ञानिक खेती तकनीकों को अपनाने और प्राकृतिक खेती की आवश्यकता है।

चौहान ने रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग के कारण मिट्टी की घटती उर्वरता पर चिंता व्यक्त की, और आने वाली पीढ़ियों के लिए पृथ्वी को सुरक्षित रखने को प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का आह्वान किया। नए बजट का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि राज्यों को उन योजनाओं के लिए अधिक धनराशि आवंटित करने की छूट दी गई है, जो उनके अपने क्षेत्रों के लिए विशेष रूप से उपयोगी हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी उद्घाटन समारोह को संबोधित किया। इस सम्मेलन में राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात, गोवा और महाराष्ट्र के कृषि मंत्री और अधिकारी, प्रगतिशील किसान और कृषि विशेषज्ञ हिस्सा ले रहे हैं।

एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन का इस्तीफा, उत्तराधिकारी की तलाश के लिए समिति का गठन

मुंबई। एयर इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन ने इस्तीफा दे दिया है। एयरलाइन ने उनके उत्तराधिकारी की तलाश के लिए एक समिति का गठन किया है। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। न्यूजीलैंड मूल के विल्सन पिछले चार वर्ष से टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया के सीईओ एवं प्रबंध निदेशक के रूप में कार्य कर रहे हैं।

एयरलाइन ने बयान में कहा, ''विल्सन ने 2024 में ही एयर इंडिया के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को 2026 में पद छोड़ने की अपनी इच्छा से अवगत करा दिया था। तब से वह यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि संगठन और नेतृत्व दल बदलाव के लिए स्थिर स्थिति में हो।'' बयान के अनुसार, नए उत्तराधिकारी की घोषणा होने तक विल्सन सीईओ एवं प्रबंध निदेशक के पद पर बने रहेंगे।

एयर इंडिया के निदेशक मंडल ने आने वाले महीनों में नए प्रमुख की नियुक्ति के लिए एक समिति का गठन किया है, जो उनके उत्तराधिकारी की तलाश करेगी।

टोल प्लाजा पर अब नकद में नहीं होगा भुगतान, यूपीआई से पेमेंट

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने कहा है कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर 10 अप्रैल से टोल प्लाजा पर नकद भुगतान नहीं होगा। मंत्रालय ने राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना में कहा है कि यदि कोई वाहन वैध फास्टैग के बिना टोल प्लाजा में प्रवेश करता है, तो उपयोगकर्ता एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम से भुगतान कर सकते हैं।

लेकिन उन्हें लागू टोल शुल्क का 1.25 गुना भुगतान करना होगा। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस कदम का उद्देश्य टोल प्लाजा पर लंबी कतारों को कम करना और यात्रियों के लिए राजमार्ग यात्रा को सुगम बनाना है। अधिकारी ने कहा कि 10 अप्रैल से

टोल बूथ पर नकद भुगतान स्वीकार नहीं किया जाएगा और फास्टैग टोल वसूली का प्राथमिक माध्यम बना रहेगा। वैध फास्टैग के बिना आने वाले वाहनों के लिए यूपीआई वैकल्पिक भुगतान विकल्प के रूप में काम करेगा। उन्होंने कहा, ''यदि कोई वाहन चालक बिना फास्टैग या वैध फास्टैग के शुल्क प्लाजा में प्रवेश करता है और यूपीआई के माध्यम से शुल्क का भुगतान करने का विकल्प चुनता है, तो उसे नियम चार के उप-नियम (दो) के प्रावधानों के अनुसार उस श्रेणी के वाहन पर लागू शुल्क का 1.25 गुना भुगतान करना होगा।'' अधिसूचना में कहा गया है, ''...यदि वाहन मालिक या चालक इस नियम के तहत निर्दिष्ट तरीके से शुल्क का भुगतान करने का विकल्प नहीं चुनता है, तो ऐसे वाहन के साथ नियम 14 के अनुसार कार्रवाई की जाएगी," उल्लेखनीय है कि एनएचएआई ने हाल ही में अपने फास्टैग वार्षिक पास के 50 लाख ग्राहकों का आंकड़ा पार कर लिया है।

यह उपयोगकर्ताओं को सालाना 3,000 रुपये में 200 टोल से गुजरने की अनुमति देता है। 15 अगस्त को पेश किये जाने के बाद से, इन पास के माध्यम से कुल 26.55 करोड़ लेनदेन किए गए हैं। देश भर में विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर 1,150 से अधिक शुल्क प्लाजा हैं।

एयर इंडिया समूह घरेलू, अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर ईंधन अधिभार लगाएगा

मुंबई। एयर इंडिया समूह घरेलू उड़ानों के लिए 299 रुपये से 899 रुपये तक और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए 24 डॉलर से 280 डॉलर तक का ईंधन अधिभार लगाने जा रहा है। हालांकि, कुछ मार्गों पर ईंधन अधिभार नहीं लगाया जाएगा। एयर इंडिया ने मंगलवार को बयान में कहा कि आठ अप्रैल से प्रभावी संशोधित ईंधन अधिभार एयरलाइन की किफायती सेवाएं देने वाली अनुषंगी कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस द्वारा संचालित उड़ानों पर भी लागू होगा। बयान में कहा गया कि बांग्लादेश और जापान, हांगकांग और दक्षिण कोरिया जैसे सुदूर पूर्व गंतव्यों के लिए आने-जाने वाली उड़ानों पर ईंधन अधिभार में संशोधन की जानकारी आवश्यक नियामकीय अनुमोदनों के अधीन उचित समय पर दी जाएगी। एयरलाइन ने कहा कि सरकार द्वारा घरेलू विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में 25 प्रतिशत की अधिकतम वृद्धि तय करने के बाद समूह ने इस संतुलित दृष्टिकोण को अपनाया है और घरेलू स्तर पर एक समान अधिभार की जगह दूरी-आधारित अधिभार लगाने का फैसला लिया है। एक अन्य घरेलू एयरलाइन कंपनी इंडिगो पहले ही ईंधन अधिभार में बढ़ोतरी कर चुकी है। अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) के ताजा आंकड़ों का हवाला देते हुए एयरलाइन ने कहा कि 27 मार्च को समाप्त सप्ताह में वैश्विक स्तर पर जेट ईंधन के दाम बढ़कर 195.19 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गए हैं। फरवरी के अंत तक यह 99.40 डॉलर प्रति बैरल थे। किसी एयरलाइन की परिचालन लागत में एटीएफ का हिस्सा 40 से 45 प्रतिशत बैठता है।

शेयर बाजार में लगातार चौथे दिन तेजी; सेंसेक्स 510 अंक चढ़ा, निफ्टी 23,000 अंक के पार

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में तेजी जारी रही और बीएसई सेंसेक्स 510 अंक चढ़ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 23,000 अंक के पार पहुंच गया। कच्चे तेल के दाम में नरमी और दुनिया के अन्य बाजारों में तेजी से निवेशकों की धारणा मजबूत हुई। इसके अलावा, आईटी शेयरों में लिवाली से शुरुआती गिरावट के बाद बाजार में सुधार हुआ।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 509.73 अंक यानी 0.69 प्रतिशत बढ़कर 74,616.58 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह ऊंचे में 74,686.32 अंक तक गया और नीचे में 73,282.41 अंक तक आया। इससे बाजार में 1,403.91 अंक का उतार-चढ़ाव आया। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 155.40 अंक यानी 0.68 प्रतिशत चढ़कर 23,123.65 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में से टाटा कंसल्टेंसी

सर्विसेज, एचसीएल टेक, इन्फोसिस, भारती एयरटेल, सन फार्मा और हिंदुस्तान यूनिलीवर प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में इंटरग्लोब एविएशन, अदाणी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाइटन शामिल हैं। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.71 प्रतिशत टूटकर 109 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। लाइवलॉन्ग वेल्थ के शोध विश्लेषक और संस्थापक हरिप्रसाद के ने कहा, ''भारतीय बाजारों में कारोबार के दौरान तेज सुधार देखने को मिला। निफ्टी ने शुरुआती नुकसान से उबरते हुए उच्च स्तर हासिल किया। यह सुधार मुख्य रूप से सौदों को पूरा करने के लिए की गयी लिवाली और चुनिंदा क्षेत्रों की मजबूती के कारण हुआ है न कि चौतरफा खरीदारी के कारण।'' उन्होंने कहा कि आज की तेजी का एक प्रमुख कारण सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों का मजबूत प्रदर्शन है। बीएसई में सूचीबद्ध शेयरों में 2,671 में बढ़त दर्ज की गई, जबकि 1,555 शेयरों में गिरावट आई और 155 शेयर के भाव अपरिवर्तित रहे।

एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट बढ़त के साथ बंद हुए। हांगकांग में अवकाश के कारण बाजार बंद थे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में सकारात्मक रुख था। जबकि अमेरिकी बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे।

रश्मिका मंदाना को पहली ही हिंदी फिल्म से मिला हिट करियर

मुंबई। साउथ फिल्म इंडस्ट्री में श्रीदेवी, जय प्रदा, हेमा मालिनी और रेखा समेत कई ऐसी अभिनेत्रियां रही हैं, जिनके करियर की नींव दक्षिण भारत में रखी गई लेकिन सफलता उन्हें हिंदी सिनेमा से मिली। साउथ की कई एक्ट्रेस है जिन्होंने 80 के दशक से लेकर अब तक हिंदी सिनेमा की तरफ रुख किया है। आज के दौर की ऐसी ही अभिनेत्री हैं रश्मिका मंदाना, जिन्होंने दक्षिण भारत में हिट फिल्म देने के बाद पैन इंडिया सफलता पाने में देर नहीं लगाई। 5 अप्रैल को जन्मी रश्मिका तेलुगू और कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में जाना-माना नाम बन चुकी हैं। उन्होंने फिल्म किरिक पार्टी से 2016 में फिल्मी दुनिया में कदम रखा था और अपनी पहली ही फिल्म से रश्मिका बहुत बड़ी स्टार बन गई थीं। इस फिल्म में अभिनेत्री ने अभिनेता रक्षित शेट्टी के साथ काम किया। 4 करोड़ में बनी फिल्म ने 50 करोड़ की मोटी कमाई की और यह फिल्म रश्मिका के करियर की पहली हिट भी बनी। इस फिल्म में न सिर्फ रश्मिका को अच्छा करियर दिया बल्कि उन्हें रक्षित शेट्टी के रूप में अच्छा पार्टनर भी मिला। दोनों की जोड़ी को कन्नड़ सिनेमा में बहुत पसंद किया जाने लगा और फैंस भी दोनों की जोड़ी को असल जोड़ी के रूप में देखने लगे। आलम ये था कि सेट पर रश्मिका और रक्षित के बीच नजदीकियां बढ़ चुकी थीं। दोनों ने फिल्म के सुपरहिट होने के बाद साल 2017 में सगाई की लेकिन दोनों का रिश्ता एक साल बाद ही टूट गया। अलग होने की वजह दोनों में वैचारिक मतभेद था लेकिन यह बात रक्षित के फैंस को बिल्कुल पसंद नहीं आई और उन्होंने अभिनेत्री को ट्रोल करना शुरू कर दिया और कन्नड़ सिनेमा से बैन करने की धमकी भी दी। रश्मिका पर रक्षित को करियर की सीढ़ी बनाने का आरोप लगा। मामले को संभालने के लिए खुद रक्षित ने आकर अपने फैंस को अभिनेत्री के सामने कुछ भी न बोलने की अपील की क्योंकि अलग होने का फैसला दोनों का था। विवाद के बीच अभिनेत्री ने तमिल फिल्मों में कदम रखा और साल 2018 में उनकी चलो फिल्म रिलीज हुई, जिसके बाद उन्हें गीता गोविंदम, डियर कॉमरेड, भीष्म, सुल्तान (तमिल), सरिलरु नीकेवरु और सीता रामम में देखा गया। दक्षिण भारत में सिक्का जमाने के बाद साल 2018 में पैन इंडिया फिल्म पुष्पाः द राइज ने अभिनेत्री के करियर को ग्लोबल लेवल पर पहचान दिलाई और वे नेशनल क्रश बनकर उभरीं, जिसके बाद अमिताभ बच्चन के साथ बॉलीवुड में गुडबाय से डेब्यू किया।

'धुरंधर 2' के कमाई में आई गिरावट

मुंबई। रणवीर सिंह. कारोबारी दिनों में लौटते ही फिल्म की कमाई में गिरावट देखने को मिली है। रिलीज के 19वें दिन यानी सोमवार को फिल्म ने 10 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जो पिछले दिनों के मुकाबले काफी कम है। सैकनिल्क के आंकड़ों के अनुसार, 17वें दिन फिल्म ने 25.65 करोड़ रुपये और 18वें दिन 28.75 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इसके मुकाबले 19वें दिन आई गिरावट साफ नजर आती है। बावजूद इसके फिल्म का कुल घरेलू नेट कलेक्शन अब 1,023.77 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाली पहली हिंदी फिल्म बन चुकी है। वहीं, वैश्विक स्तर पर भी फिल्म का प्रदर्शन शानदार बना हुआ है। 'धुरंधर 2' ने 19 दिनों में दुनियाभर में 1,622.72 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। खास बात यह है कि नॉर्थ अमेरिका में फिल्म ने लगभग 217 करोड़ रुपये की कमाई करते हुए 'बाहुबली 2: द कन्क्लूजन' के करीब 9 साल पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।

24 अप्रैल को दोबारा चुनिंदा सिनेमा घरों में रिलीज होगी फिल्म देव डी

मुंबई। आगामी 24 अप्रैल को कल्ट फिल्म देव डी एक बार फिर पीवीआर आइनॉक्स के जरिए चुनिंदा सिनेमाघरों में दोबारा रिलीज होगी। इस फिल्म में अभय देओल, माही गिल और कल्कि कोचलिन ने अहम भूमिकाएं निभाई थीं। अपनी अनोखी कहानी, प्रयोगधर्मी शैली और यादगार संगीत के चलते यह फिल्म समय के साथ कल्ट का दर्जा हासिल कर चुकी है। अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी यह फिल्म शरत चंद्र चट्टोपाध्याय के मशहूर उपन्यास 'देवदास' का आधुनिक रूपांतरण है, जिसमें पारंपरिक प्रेम कहानी को आज के भारत की जटिलताओं के साथ जोड़ा गया। अब इसकी दोबारा रिलीज पुराने दर्शकों के लिए नॉस्टैल्जिया का मौका है, वहीं नई पीढ़ी के लिए इसे बड़े पर्दे पर अनुभव करने का अवसर। फिल्म को लेकर अनुराग कश्यप का कहना है कि 'देव डी' एक विद्रोही सोच से बनी थी। वह क्लासिक 'देवदास' के रोमांटिक मिथक को तोड़कर उसके किरदार की कमजोरियों और जटिलताओं को सामने लाना चाहते थे। उनके मुताबिक, इस फिल्म का देव कोई आदर्श प्रेमी नहीं, बल्कि एक खामियों से भरा, आवेगी और कई बार नापसंद किया जाने वाला इंसान है, जो अपनी ही गलतियों में उलझा रहता है। फिल्म में पारो और चंदा के किरदारों को भी नई सोच के साथ गढ़ा गया। पारो को सिर्फ इंतजार करने वाली प्रेमिका नहीं, बल्कि अपने फैसले लेने वाली मजबूत महिला के रूप में दिखाया गया, जबकि चंदा का किरदार आत्मनिर्भरता और पहचान की नई परिभाषा पेश करता है। अमित त्रिवेदी का संगीत और राजीव रवि की सिनेमैटोग्राफी फिल्म को एक अलग ही अनुभव देते हैं। इस फिल्म की री-रिलीज के लिए अनुराग कश्यप काफी उत्सुक हैं। वो कहते हैं कि वो नई पीढ़ी का रिस्पांस देखने के लिए काफी उत्सुक हैं। फिल्म में अभय देओल ने भी अहम किरदार अदा किया था। अभय देओल ने याद किया कि जब उन्होंने अपने दोस्तों, जान-पहचान वालों और इंडस्ट्री के लोगों को 'देव डी' का कॉन्सेप्ट सुनाया था, तो सभी ने यही कहा कि यह फिल्म बहुत 'आर्टिस्टिक' है और कभी बन नहीं सकती।

फ्लॉप फिल्म के बाद अक्षय कुमार ने लौटाए पैसे, एकता कपूर ने बताया सच

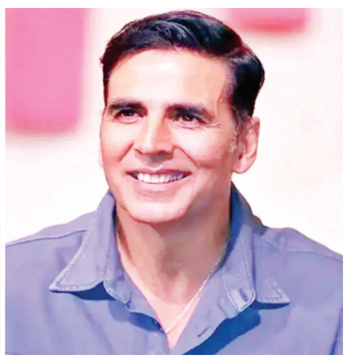

मुंबई। अभिनेता अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' का ट्रेलर 6 अप्रैल को मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान लॉन्च किया गया। इस मौके पर फिल्म की पूरी स्टारकास्ट के साथ प्रोड्यूसर एकता कपूर भी मौजूद रहीं। ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान एकता कपूर ने अक्षय कुमार से जुड़ा एक पुराना किस्सा शेयर कर सभी को हैरान कर दिया। एकता कपूर ने बताया कि अपने 31 साल के करियर में उन्होंने ऐसा कभी नहीं देखा, जब किसी अभिनेता ने फिल्म के फ्लॉप होने पर अपनी फीस वापस की हो। उन्होंने कहा कि अक्षय कुमार खुद उनके पास चेक लेकर आए और कहा कि फिल्म में हुए नुकसान की भरपाई के लिए वह पैसे लौटा रहे हैं। इस पर एकता ने उन्हें मना करते हुए कहा था कि वह उनके साथ एक और फिल्म करें, जिससे वह भविष्य में बेहतर कमाई कर सकें। एकता कपूर जिस फिल्म की बात कर रही थीं, वह 'वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई दोबारा' (2013) थी, जो बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही थी। अब दोनों 'भूत बंगला' के जरिए एक बार फिर साथ आए हैं। यह फिल्म 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जबकि 16 अप्रैल को इसके पेड प्रिव्यू शो आयोजित किए जाएंगे। फिल्म में परेश रावल, राजपाल यादव, तब्बू, असरानी और वामिका गब्बी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।